हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

6 मार्च, 1991

खण्ड–1, अंक–4

अधिकृत विवरण

विशत सूची

बुधवार, 6 मार्च, 1991

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)24
आतारांकित प्र न एवं उत्तर	(4)25
वैयक्तिक स्पश्टीकरणः—	
श्री वीरेन्द्र सिंह द्वारा	(4)32
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(4)35
वाक—आउट्स	(2)88
बैठक का स्थगन	(4)47
बैठक का पुनर्स्थगन	(4)47

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 6 मार्च, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 09.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्द्र सिहं चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगें।

तारांकित प्र न संख्या 1400

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य, श्री लछमन सिंह कम्बोज, सदन में उपस्थित नहीं थे।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, उनकी लड़की की भाादी है। अगर आपकी तरफ से किसी और को यह सवाल पूछने की इजाज़त हो जाये तो ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्षः अगर वह किसी को लिखकर दे गये हैं तो मुझे परपिट करने में कोई एतराज नहीं है।

श्री राम बिलास भार्माः लिखकर तो नहीं दिया है।

डा0 हरनाम सिंह : सर, बड़ा इम्पौर्टैन्ट सवाल है। आपको परमिट कर देना चाहिये।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मैं पुरानी परम्परा को मानकर चलता हूं। पहले यह प्रथा है कि अगर वह सदस्य किसी को लिखकर दे जाये कि मेरा सवाल कोई और पूछ सकता है तो मैं परमि ान दे देता हूं लेकिन उन्होंने लिखकर नहीं दिया हैं। मैं चाहता हूं कि पहले लिस्ट के दूसरे सवालों को टेक अप कर ले और अगर सारे सवाल खत्म हो जाये तो बाद में इसे टेक–अप करने की सोचेंगे।

आवाजें: ठीक है जी।

Revival of B-I Test

***1371. Shri Balbir singh Chaudhri, Shri muni lal Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the minister for irrigation and power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the govt. to revive the policy of B-I Test for the persons belonging to scheduled castes and backward classes in the state?

Home Minsiter(Prof. Sampat singh): B-I Tests have been continuing and have not been stopped, the question of reviving them, therefore, does not arise

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी ने नोटिस में लाना चाहता हूं कि कुछ दिनों हसे पुलिस में बड़ा असंतोश है। गृह मंत्री, मंत्री या किन्ही खास असरदान लोगों के जो गनमैन होते है, वहीं इस टैस्ट में पास होते है, उन्हीं की प्रोमो ान होती है। योग्यता के आधार पर कोई

टैस्ट नहीं होता। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि जो बी–1 टैक्ट हुए है, वे सही हुए है, क्या इस किस्म की कोई ि ाकायत इनकी यूनियन की तरफ से आपके पास आयी हैं, क्या इसी ि ाकायत के आधार पर श्री दिलावर सिंह को टर्मीनेट किया गया हैं और क्या इस बारे में स्थिति को रिब्यू करेगे ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, सवाल यह था कि क्या बी–1 टैक्ट को ि ाडयूल्ड कास्ट्स कैटेगरी के लिए रिवाईव किया जा रहा है। स्पीकर साहब, रिवाईव करने का प्र न तो तब होता है यदि इसको बन्द कर दिया गया हो। टैक्स बाकायदा हो रहा है। दूसरी बात यह है कि राम बिलास जी ने अपने सवाल में थोड़ी सी पोलिटीकल बात कर दी। उनको स्पैसिफिक बात बतानी चाहिये थी। मेरे पास कोई ि ाकायत नहीं आयी हैं। बाकायदा बी–1 टैक्ट का सिस्टम बना हुआ है और उसके मुताबिक यह टैक्ट हो रहा है। जो गनमैन वी0आई0पीज0 के साथ लगे हुए है, उनका भी बाकायदा टैक्ट होता है। उनके लिये अलग से कोई टैक्स नहीं होता है।

श्री मुनी लालः स्पीकर साहब, मैं यह पूछना चाहूंगा कि यह जो बी–1 टैक्ट होता है, यह किस आधार पर होता है ? जैसे भार्मा जी ने कहा है, यह बात उनकी बिल्कुल हंड्रैड परसैंट ठीक है कि सिफारि ाों के आधार पर टैक्ट में लोग पास किये जाते है। आज तक कोई भी टैक्स सही तरीके से नहीं हुआ है।

Mr. Speaker: Don't reply yourself.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, बात ऐसे है कि यह जो टैक्ट हुए है, वह सारे ही गलत हुए है, यह कहना बहुत गलत बात है। मैं तो यह कहूंगा कि वह टैक्ट बाकायदा हंड्रैड परसैंट ठीक हुए है। अगर कोई ि ाकायत है, वह बाकायदा हमें लिख कर बतायें, हम देखेंगें। इस प्रकार का तथ्या हीन बेबुनियाद इलजाम लगाना भाोभा नहीं देता। यह केवल मात्र अपना प्रचार करने के लिये हो रहा है अदरवाईज़ इनकी बात में कोई सच्चाई नहीं है।

कैप्टन अजय सिहं यादवः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या गुरनाम सिंह कमी ान की रिपोर्ट लागू कर दी गयी है ? अगर हां, तो इसके तहत जिन कम्युनिटीज को सहूलियत दी गयी है, उन बैकवर्ड क्लासिज को रिप्रेजैटे ान देने के लिये क्या कदम उठाए गये है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः जहां तक गुरनाम सिहं कमी ान की रिपोर्ट लागू करने की बात है, वह बात अलग हैं पहले तो यह टैस्ट पास करना होता है। उसके बाद प्रोमो ान होती है। टैस्ट में किसी किस्त की रिज़र्वे ान नहीं है।

श्री परमानन्दः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि क्या बी–1 टैस्ट के अन्दर हरियाणा बनने से पहले पंजाब के अन्दर कोई रिजर्वे ान का प्रोवीजन था ? अगर था तो उसको कब और क्यों बन्द कर दिया गया ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इसमें हरियाणा बनने की बात नहीं है। बी–1 टैस्ट जो होता है, उस टैस्ट में जो ऐलीजीबल लड़के होते है वे पास होने के बाद ''सी'' लिस्ट में आते है। उस टैस्ट में ऐलीजीबल होने के लिये तीन साल की नौकरी होनी चाहियें। ''सी'' लिस्ट में ऐन्ट्री होने के बाद बाकायदा रिज़र्वे ान है। सन 1982 के अन्दर कुछ लड़के कोर्ट में भी गये थे। कोर्ट ने उनकी रिट को खारिज कर दिया कि टैक्ट के अन्दर कोई रिजर्वे ान नहीं हो सकती।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, जो रूल्ज पंजाब में है आमतौर पर उनको हरियाणा में फालों किया जाता है। पंजाब के अन्दर बी–1 टैस्ट में रिजर्वे ान है लेंकिन हरियाणा में नहीं हैं। क्या मंत्री महोदय, पंजाब के रूल्ज जिनके तहत वहां पर बी–1 टैस्ट में रिजर्वे ान है को हरियाणा में फालो करके बी–1 टैस्ट में रिजर्वे ान का प्रावधान करेंगे जिससे कि ि ाड्यूल्ड कास्टस के लड़के भी बी–1 टैस्ट में पास हो सकें ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैंने पहले बताया है कि 1982 में इस बारे में कोर्ट में लोग गए थे। वहां पर यह केस रिजैक्ट हो गया था और बात मानी नहीं गई। स्पीकर साहब, बी–'1 टैस्ट पास करने के बाद जब ''सी'' लिस्ट में कोई आता है तो बाकायदा प्रोमो ान में रिजर्वे ान है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि जो बी–1 टैस्ट में पास हो जाते है और 'सी' लिस्ट में आ जाते हैं उनको प्रोमो ान दी जाती है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि बी–1 टैस्ट में बैठने के लिए क्या कोई मैरिट या ऐलीजिबिलिटी है जिसके आधार पर बी–1 टैस्ट में बैठने के लिए क्या कोई मैरिट या ऐलीजिबिलिटी है जिसके आधार पर बी–1 टैस्ट में बैठा जा सकता हो ?

प्रो0 सम्पत सिहंः स्पीकर साहब, जिसकी तीन साल की सर्विस एज ए सिपाही हो जाती है चाहे वह किसी भी कास्ट का हो वह बी–1 टैस्ट में बैठने के लिए ऐलीजिबल है।

श्री परमानन्दः स्पीकर साहब, बी–1 टैस्ट में बैठने के लिए पंजाब में रिजर्वे ान है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि वहां पर रिजर्वे ान किन लाइन्ज पर है ? मंत्री महोदय ने बताया है कि 1982 में लोग कोर्ट में गए थे लेकिन केस रिजैक्ट हो गया था। क्या मंत्री महोदय, पंजाब की लाइन्ज पर रूल्ज को अमैन्ड करके पंजाब के पेटर्न पर बी–1 टैस्ट में रिजर्वे ान देने की कृपा करेगें।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमें पंजाब से मतलब नहीं है कि वहां कैसे हो रहा है। मैने तो हरियाणा के बारे में बताया है यहां बी–1 टैस्ट मैं कोई रिजर्वे ान नहीं है।

श्री रतन लाल कटारिया: स्पीकर साहब, बी–1 टैस्ट ए0 एस0 आई0 और एस0 आई0 की प्रोमो ान के लिए है। क्या मंत्री महोदय पंजाब पैटर्न पर बी–1 टैस्ट में आरक्षण की व्यवस्था करेगें ?

प्रो0 सम्पत सिहं: स्पीकर साहब, बी–1 टैस्ट, में वह बैठ सकता है जिसकी एज ए सिपाही तीन साल की सर्विस हो गई है। वह उसमें बैठने के लिए ऐलीजिबल है इररिस्पैक्टिव आफ ऐनी कास्ट। जो बी–1 टैस्ट क्वालिफाई कर लेता है वह 'सी' लिस्ट में आ जाता है।

श्री मुनी लाल: स्पीकर साहब, पंजाब में क्लास बन ओर क्लास टू में रिजर्वे ान है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि पंजाब को फालो करते हुए हरियाणा में भी बी–1 टैस्ट में रिजर्वे ान दी जाएगी ?

प्रो0 सम्पत सिहं: स्पीकर साहब, हम हर बात में पंजाब को फालों नहीं कर सकते। आज जो हालत पंजाब में है अगर आप कहे कि हरियाणा में क्यों नहीं हैं तो स्पीकर साहब यहां तो वैसे हालात नहीं किए जा सकते।

श्री परमानन्द: स्पीकर साहब, मेरा स्पेसिफिक क्वे चन था लेकिन उसका जवाब नहीं दिया गया है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि ज्वाइंट पंजाब में बी–1 टैस्ट में रिजर्वे ान थी तो वह रिजर्वे ान कब विदड्रा की गई है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने पंजाब से क्या लेना है। मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि हरियाणा में बी–1 टैस्ट में रिजर्वे ान नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्रोफेसर साहब, ये पंजाब के वक्त की बात कैसे बता सकते है। जब पंजाब में असैम्बली आएगी तो वहां पूछ लेना।

डा. हरनाम सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि बी–1 टैस्ट में कितने एस0 सीज0, बी0 सीज0 और जनरल कैटेगरी के कैडीडेट्स बैठे थे और उनमें से कितने बी0 सीज0, एस0 सीज0 और जनरल कैटेगरी के कैडीडेट्स पास हुए ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह कैसे बताया जा सकता है कि हर कैटेगरी के कितने–कितने कैडीडेट्स बैठे । जब टैस्ट होता है तो उस समय कोई कैटेगरी नहीं देखी जाती । बी–1 टैस्ट पास करने बाद जब 'सी' लिस्ट में आते है तो उस समय रिजर्वे ान में आते है।

चौधरी सतबीर सिंह कादियानः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि प्रोमो ान में रिजर्वे ान दी जाती है अथवा नहीं ?

प्रो0 सम्पत सिहंः स्पीकर साहब, मैने पहले ही कहा है कि बी–1 टैस्ट पास करने के बाद जब कोई 'सी' लिस्ट में आता है तो प्रोमो ान में रिजर्वे ान है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा बनने के बाद ज्वायंट पंजाब के जो रूल्ज इधर इम्पीलीमैन्ट होते थे क्या वे रूल्ज अब अमन्ड हो गये है, अगर हो गये है तो कब से हुए है ?

प्रो0 सम्पत सिहंः अध्यक्ष महोदय, पंजाब के क्या रूल्ज थे उन के बारे में, मैं कैटेगोरीकली कह चुका हूं कि मुझे पता नहीं। आज प्रैजैन्ट रूल हरियाणा प्रदे ा के अन्दर यही है कि बी–1 टैस्ट में रिजर्वे ान नहीं है।

श्री हीरा नन्द आर्यः मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि रिज़र्वे ान का जो बैनीफिट है, वह बार बार न दिया जाए, एक ही बार दिया जाए, इसके हक मे या विरोध में सरकार के पास कोई रिप्रज़ैन्टे ान आई है ? अगर कोई इस तरह की रिप्रजैन्टे ान आई है तो सरकार ने उस पर क्या फैसला लिया है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई रिप्रंजैन्टै ान हमाने पास नहीं आई है।

श्री रतन लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके, द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जिस तरह से मैडीकल कालेजिज में या इंजीनियरिंग कालेज मैं प्रवे ा पाने के वक्त आरक्षण का ध्यान रखा जाता है क्या उसी प्रकार सरकार

बी–1 टैस्ट में भी ऐडमि ान के वक्त आरक्षण नीति को ध्यान में रखने का विचार रखती है ?

श्री अध्यक्षः इसका उत्तर आ गया है। मिनिस्टर साहब ने पहले ही इसको कलैरीफाई कर दिया है।

प्रो0 सम्पत सिहंः स्पीकर सर, अगर आप कहें तो मैं इस बात को फिर एक बार कलीयर कर देता हूं ताकि मैम्बर साहेबान की तसल्ली हो जाए।

श्री अध्यक्षः कोई जरूरत नहीं है।

डा0 हरनाम सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकारों ने अधिकार दिये है और सरकारें ही अधिकार लेती हैं। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार एस0सी0 व बी0 सी0 को इस मामले में रिजर्वे ान देने का कोई विचार रखती है ?

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): अध्यक्ष महोदय, होम मिनिस्टर साहब ने बड़ी तफसील के साथ यह कहा है कि बी–1 टैस्ट से रिजर्वे ान नहीं है। यह मामला पंजाब एण्ड हरियाणा हाई कोर्ट में गया था, वहां भी इस बात को नहीं माना गया। इनको यह पता होना चाहिये कि अब कोई 'सी' लिस्ट में आता है तो आटोमैटीकली रिजर्वे ान लागू हो जाती है। यह बड़ी सीधी सी बात है।

Mr. Speaker: Next question is in the name of shri pardeep kumar chaudhry, who is not present but he has given the authority to

shrimati kamal verma to put this question. she may, therefore, put the question.

Allotment of site for Rehri Pullers in Panchkula

***1375. shri Pardeep Kumar chaudhary:** will the minister for cooperation be pleased to state:-

(a) whether any scheme has been formulated by the Govt. for the allotment of permanent sito to rehri pullers in panchkula; if so, the criteria laid down for such allotment; and

(b) whether any instances have been come to the notice of the govt. where the allotment of site has been made in vidlation of criteria referred to in part (a) above; if so, the number thereof togetherwith the action if any, taken in the matter.

सहकारिता मंत्री (श्री धीर पाल सिंह):

(क) नहीं । पंचकूला में रेहड़ी स्थलों का नियतन करने बारे हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्धारित प्रणाली के विवरण को सदन के पटल पर रखा जाता है जिसके अन्तर्गत पंचकूला में 173 स्थलों का नियतन किया जा चुका है।

(ख) स्थलों का नियतन करने में प्रणाली की उल्लंघना में कोई वि ोश उदाहरण सरकार अथवा हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण के ध्यान में नहीं आया।

विवरण

1. प्रार्थी की आयु 18 वर्श से अधिक होनी चाहिए और वह भाारीरिक तौर पर रेहड़ी चलाने के योग्य होना चाहिए।

2. प्रार्थी के पास स्थानीय प्र ाासन द्वारा जारी किया गया मान्य रा ान कार्ड होना चाहिए।

3. इसका नाम पंचकूला की मतदाता सूचि में होना चाहिए।

4. उस द्वारा अपने नाम या परिवार के किसी सदस्य के नाम से पहले लाईसैस प्राप्त नहीं होना चाहिए।

5. रेहड़ी स्थल लाटरी द्वारा नियतित किया जाता है।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मुझे इनकी बात पूरी तरह से समझ ही नही आई कि इन्होने क्या कहा है। मैं आपके द्वारा इनसे यह जानना चाहती हूं कि इन्होनें लोगों को लाईसैन्स देने का क्या कायटेरिया रखा हुआ है और अब तक कितने लोगों को लाईसैन्स दे दिये है ?

श्री धीर पास सिहंः अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में सारी सूचना पटल पर रखी हुई है। बहन जी पढ़ने की कृपा करें।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैरे पास ऐसे–ऐसे केसिज हैं कि जो लोग चण्डीगढ़ से रहते है उनको भी लाइसैन्स दिये गये है। एक स्थल के ऊपर कहीं–कहीं दो–दो लोगों को लाईसैन्स इ ाू किये गये है। मेरे पास इसके प्रमाण है। अगर कई

तो मैं इनको दिखा सकती हूं। इसलियें अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा इन सब बातों की क्लैरीफिके ान चाहती हूं।

श्री धीर पाल सिहंः अध्यक्ष महोदय, अगर बहन जी के पास कोई ि ाकायत है तो ये मुझे दे दें। 173 लाईसैन्स जो हमने दिये है उन सभी के काईं नं0 वगैरह की सारी लिंस्ट मेरे पास मौजूद है। पूरी की पूरी डिटेल मेरे पास है। बहन जी चाहें तो मैं इन्हे दिखा भी सकता हू।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, 81 नम्बर पर जो आदमी है उसके अगेन्स दो लाईसैन्स इ ू हुए है। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि ये किसके आडर्ज से दिये गये है ? मेरी नौलिज मे यह बात है कि इनके अफसर पैसे ले–ले कर के सारा काम कर रहे हैं और लाईसैन्स दे रहे है।

श्री धीरपाल सिहं: स्पीकर साहब, 5 नबम्बर के अखबार में भी यही द ार्शिया गया था कि दो लांइसैस एक ही नम्बर के है। इसकी बाकायदा चैकिंग करवाई गई है। इससे क्लैरिकल मिंस्टेक थी जिसको ठीक करवा देगें।

श्रीमती कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मेरे पास 17 लोगों के नाम है जो रहते तो चण्डीगढ़ में है लेकिन लाईसैंस पंचकूला का ले रखा है जबकि भार्त यह है कि लाइसैस लेने वाला पंचकूला का रहने वाला हो ?

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर साहब, मैंने पहले ही कहा है कि पांच भार्तो के आधार पर लाइसैन्स देते है। जिन्होने इन सभी भार्तो को पूर किया है केवल उन्ही को लाइसैन्स दिए गए है। आप कहे तो मै एक–एक के बारे में बता देता हूं।

श्री अध्यक्ष: इनका सवाल यह है कि अगर ये 17 आदमियों के नाम दे जो चण्डीगढ़ में रहते हैं तो क्या आप इन्क्वायरी करवाने के लिए तैयार है ?

श्री धीरपाल सिंह: स्पीकर साहब, सरकार इन्क्वायरी करवाने के लिए तैयार हैं अगर इसमें कोई दोशी पाया जाएगा तो उसको सजा दी जाएगी।

श्रीमती कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, सीरियल न0 81 पर जो लाईसैन्स दिया गया है, क्या वह गलत नहीं पाया गया ? क्या उनका नाम और भाक्ल एक ही है ?

श्री धीरपाल सिहं: स्पीकर साहब, दो लाइसैसों का गलती से एक ही नम्बर लिख दिया गया। जैसे मैने पहले कहा कि वह क्लैरिकल मिस्टेक है इसको ठीक कर दिया जाएगा।

Khadar Development Board

***1393. Shri yogesh chand Sharma:** Will the chief Minister be pleased to state:-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Goverment to constitute Khader Development Board in District Faridebad; and

(b) if so, the time by which the aforesaid board is likely be constituted ?

राजस्व मंत्री (श्री सचदेव त्यागी)

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न ही नही उठता।

श्री योगे ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, जब न्याय युद्ध चल रहा था तो आदरणीय मंत्री जी सोरडे गांव में टूर पर गए थे। वहां पर इन्होने वायदा किया था कि मंत्री बनने के बाद इस एरिया का मैं समूचा विकास करवाऊंगा। वहां पर सड़के तो बहुत अच्छी बनवा दी है लेकिन असली वायदा पूर नही किया है। असली वायदा इनका पुल के लिए था। इसके लिए इन्होंने दोबारा भी वायदा किया थां। इसका सर्वे भी हो चुका है जिसकी रिपोर्ट मेरे

पास हैं। मै जानना चाहता हूं कि उसका फांउडे ान स्टोन कब तक रख दिया जाएगा ?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, खादय डिवैल्पमैट बोर्ड के बारें मे यह सवाल है, पुल का इसके साथ कोई संबंध नहीं है। जहां तक खादर विकास बोर्ड बनाने का संबंध है, यह एरिया यमुना के साथ–साथ लगता है। वहां के लोगों की हालत बहुत अच्छी है, वहां पर अंडर ग्रांउड वाटर बहुत है और जमीन भी बहुत उपजाऊ है वहां पर संडके बनी हुई है, यात्रा के अच्छे साधन है और पीने का पानी भी उपलब्ध है। वहां की केवल दो समस्याओं हैं। पहली तो यह है कि बाढ़ की वजह से जमीन का कटाव होता हैं। यह एक अस्थाई समस्या है क्योंकि यह केवल बाढ़ के दिनों में आती है। दूसरे बाढ़ की वजह से फसलौं का नुकसान होता हैं। बाढ़ के बाद यह समस्या खत्म हो जाती हैं। बाढ़ को रोकने के लिए सरकार पहले ही प्रभावी कदम उठाती हैं। इसलिए वहां खादर विकास बोर्ड बनाने की आव यकता नहीं है।

श्री योगे ा चन्द भार्माः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जितना अंसत्य आज बोला है भाायद जीवन में कभी न बोला होगा। सावन के अंधे हो हरा हो हरा दिखाइ देता है। वहां बीस हजार की आबादी पर न कोई डाक्टर है, न कोई हस्पताल है और न कोई स्कूल है। वहां पर पुल की सुविधा न होने से बहुत कठिनाई आ रही है।

Mr. Speaker: Please put a relevant question. the main question does not relate to a bridge. it relates to khadar Development Board you are a lawyer of the high court. Please read the question.

Shri Yogesh chand Sharma: Sir it does relate to khader area (Interruptions). My question much relates to that and when all developments are taking place under the khadar developments Board, then bridge also comes in that.

Mr. Speaker: Yogesh ji no, it does not relate to bridge. it only relates to khader development Board. The reply is regarding the constitution of a khadar Development Borad.

श्री योगे ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, मेरा ही सवाल है और मुझे ही सप्लीमैंटरी पुल करने का मौका नहीं दिया जा रहा है। मुझे सप्लीमैटरी पुट करने का मौका दिया जाए। (ाोर)

Mr. Speaker: yogesh ji, you have been given the opportunity but you did not put a relevant question. please take your seat now.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह: अध्यक्ष महोदय, आपके फरमाया कि यह क्वै चन पुल बनाने के बारे मे नहीं है यह तो खादय डिवैल्पमैट बोर्ड गठित करने के बारे में है। यदि यह सवाल खादर डिवैल्पमैट बोर्ड गठित करने के बारे में है तो खादय डिवैल्पमैट बोर्ड के साथ वहां पर सभी विकास के कार्य संबंधित है। इसलिए यह सवाल वहां पर पुल बनाने के बारे मे भी संबंध रखता है।

खादय डिवैल्पमैट बोर्ड के साथ वहां के विकास की सारी बाते संबंध रखती है।

श्री अध्यक्षः महेन्द्र प्रताप जी, आप सवाल पूछे।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, वहां पर पुल बनाने के बारे में तत्कालीन मुख्य मंत्री का भी वायदा किया हुआ था। इसके अलावा वहाा पर पुल न होने के कारण वह एरिया ऐसा लग रहा है जैसे वहां पर लोग एक टापू में रह रहे हों। वहां पर पुल के बिना वहां के लोग सारी दूसरी सुविधाओं से वंचित रह जाते है इसलिए वहां पर पुल बनाया जाना बहुत ही जरूरी है। मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि वहां निकट भविश्ये में कब तक पुल बना दिया जाएग ? क्या मंत्री जी इस बारे में सदन में आ वासन देगें क्योकि इस समय वहां के लोग पुल न होने के कारण ऐसे रह रहे है जैसे दूसरे सूबे यू0पी0 के हो और बीच मे जमुना बहती हों ?

श्री अध्यक्षः महेन्द्र प्रताप जी आप पहले मेन सवाल पढ़े। मेन सवाल खादर डिवैल्पमैट बोर्ड कांस्टीच्यूट करने के बारे में है पुल बनाने के बारे में नहीं है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिहः अध्यक्ष महोदय, यदि वहां पर पुल नहीं बनेगा तो विकास के दूसरे काम कैसे हो सकते है। उस क्षेत्र का विकास करने के लिए ही तो खादर डिवैल्पमैट बोर्ड गठित करने की आव यकता है वरना उसकी क्या आव यकता है ?

Mr. Speaker: This is not the question. it is entirely different. फिर भी, यदि मंत्री जी इसका जवाब देना चाहे तो दे दें मुझे इसमै कोई एतराज नही है।

श्री वीरेन्द्र सिहं: स्पीकर साहब, इनको तो आपके इ ाारे की जरूरत थी। आपने कह दिया कि यदि मंत्री जी इसका जवाब देना चाहे तो दे दे। अब इन्होनें कोई जवाब नहीं देना है। (ाोर)

श्री महेन्द्र प्रताप सिहं: अध्यक्ष महोदय, वहां पर ओवर ब्रिज बनाने के बारे में तत्कालीन मुख्य मंत्री ने वायदा किया हुआ है यदि यह सरकार उनके वायदे को ठुकराएगी तो कैसे काम चलेगा ? वहां पर लोग ऐसे रह रहे है जैसे किसी टापू में रह रहे हों। (ाोर)

श्री योगे ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, मैनें ही सवाल दिया था और मुझे ही सप्लीमैटरी पूछने का मौका नहीं दिया जा रहा है। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: भार्मा जी, पहले आप अपना सवाल पढ़े। आप बगैर बजह से जैसे पंजाबी में कहते है यह बात इसमें 'घुसेड़' रहे हैं। यह कोई तरीका नही है ? (हंसी) सवाल कुछ है, पूछ कुछ रहे है। मेन सवाल तो स्पैसिफिकली खादर डिवैल्पतैट बोर्ड कांस्टीच्यूट करने के बारे में है। आप वहां पर खादरी डिवैल्पमैट बोर्ड कांस्टीच्यूट करने से संबंन्धित सवाल पूछे। But

you have-put the question regarding construction of bridge there. How is it possoble to reply it?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, प्रत्येक जिले में डिस्ट्रिक्ट प्लानिग औफिसर्ज है। इसलिए हर जिले की स्थानीय समस्याओं का समाधान वहां की प्लानिग मं ाीनरी की मार्फत किया जाएगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, अगर सरकार श्री योगे ा चन्द भार्मा की और सारे हाउस की भावना को समझे और उसका जवाब देने में समर्थ है तो जवाब दे दे। यह विकास की बात है किसी को व्यक्तिगत बात नहीं है और न ही नागालैड की बात है। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा पूरक प्र न यह है कि क्या कभी मंत्री जी ने फरीदाबाद और पलवल के खादर एरिया को देखा है ? यदि वह उस एरिया को स्वय देखते तो ऐसी बात नहीं कहते कि उस एरिया की स्थिति बहुत अच्छी है। मंत्री जी पानीपत में रहते है। वह भी खादर का एरिया है लेकिन फरीदाबाद और पलबल के खादर एरिया में काफी फर्क है। क्या मंत्री जी ने स्वयं कभी वहां जा कर उसका निरीक्षण किया है ?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मेरा जन्म भी खादर के एरिया में ही हुआ है और और मेरा गांव भी जमुना नदी से एक

किलोमीटर की दूरी पर है। श्री योगे ा चन्द भार्मा और गुप्ता जी खादर के एरिया से दूर रहते होगें। मैं खादर के एरिया में ही जन्मा पला हूं और वहां पर खेती करता हूं । जिस खादर एरिया की बात आप लोग कर रहे है मुझे उस एरिया के बारे मैं अच्छी तरह से पता हैं। वह एरिया भी मैने स्वयं देखा है। हरियाणा के और एरियाज को देखते हुए वहां पर आमदनी के साधन ज्यादा है।

श्री बनारसी दास गुप्तः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद और पलवल के खादर एरिया में और पानीपत के खादर एरिया में दिन रात का अन्तर है। अगर आप उसकों देखें तो मैं समझता हूं हरियाणा में उससे बुरी हालत किसी और एरिया की नहीं है।

श्री योगे ा चन्द भार्माः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने कहा कि मैं खादर एरिया में ही रह रहा हूं योगे ा चन्द भार्मा खादर के एरिया से दूर रहते होगें। स्पीकर साहब, वहां पर 6 महीने हतक रास्ता ब्लौक रहता है वहां पर जाने का कोई साधन नहीं होता। जब श्री किरपा राम पुनिया मंत्री थे तो ये उस एरिया में गए थे और एक नाव मे गुम हो गए थे सरकार ने इनकी बड़ी देख भाल की। (हंसी) स्पीकर साहब उस एरिया की समस्या को देखते हुए तत्कालीन मुख्य मंत्री जी ने वहां पर पुल बनाने का वायदा किया था। और कहा था कि वहां पर पुल का निर्माण करवाया जाएगा। इस क्षेत्र का समुचित विकास करेगें। उस समय मुख्य मंत्री जी ने समुचित भाब्द पर बड़ा जोर दे कर कहा था।

यह सरकार उसका कोई जवाब नहीं दे रही है। पुनिया साहब उस क्षेत्र को देख कर आए थे।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, यह सही है कि फरीदाबाद जिले के खादर एरिया का जितना तजुर्बा मुझे है उतना भाायद इस हाउस के किसी और मैम्बर को नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय यह भी सही है कि फरीदाबाद जिले के खादर एरिया की हालत बहुत ही खराब है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या खादर एरिया डिवैल्पमैट बोर्ड बनाने की सरकार की योजना है या नहीं ?

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, हर डिस्ट्रिक्ट में डिस्ट्रिक्ट प्लानिगं आफिसर्ज हैं। वहां की स्थानीय समस्याएं वहां पर निपटाई जाती हैं। अगर इस तरह से सरकार बोर्ड बनाने लगी तो बहुत सारे बोर्ड बनाने पड़ेगे। जैसे मोरनी हल्का है, वह भी पिछड़ा हुआ है या राजस्थान के साथ हमारा लगता हुआ जो एरिया है वहा भा पिछड़ा हुआ है इसी प्रकार से ंऔर बहुत सारे इलाके पिछड़े हुए है। अगर इस तरह से बोर्ड बनाने लगे तो गांव–गांव में बोर्ड बनाने होगें इसलिए यह बोर्ड बनाना संभव नहीं है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि वहां पर स्थानीय समस्याएं वहां के डिस्ट्रिक्ट प्लानिग आफिसर्ज द्वारा दूर की जाती है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि

क्या सरकार ने यह जानने की कोि ा ा की है कि वहां की मूल समस्या के क्या कारण है और उनका समाधान करने के लिए क्या कोि ा ा की है ?

श्री सचदेव त्यागीः सभी समस्याओं के समाधान की कोि ा ा की जाती है और हमें सारे हरियाणा की समस्याओं का ज्ञान है।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि छछरौली हल्के में जो खादार का एरिया है उसमे ंछछरौली हल्के के 5 गांव जमुना के बीच में पड़ते है। वहां पर भी लोगों की बहुत भारी समस्या है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि वहां के लिए भी खादर एरिया डिवैल्पमैट बोर्ड बनाया जायेग ?

श्री सचदेव त्यागः हर जगह अलग अलग बोर्ड बनाना संभव नहीं है।

श्रीमती कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहती हूं कि सदस्यों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए क्या खादर एरिया डिवैल्पमैट बोर्ड बनाया जायेगा या नहीं ?

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): अध्यक्ष महोदय, मूल सवाल यह था कि क्या आदर एरिया डिवैल्पमैट बोर्ड बनेगा या नहीं ? उसका जवाब मंत्री महोदय ने स्पश्ट दे दिया है कि ऐसा बोर्ड बनाने की सरकार की कोई योजना नहीं है। श्री योगे ा जी ने

एक बात यह कही कि पुनिया साहब गुम हो गए, मैं इन्हे बताना चाहूंगा कि पुनिया साहब तो यहीं पर बैठे है। कहीं गुम नहीं हुए है। यह ठीक है कि जब जमुना में बाढ़ आती है तो वहां पर आने जाने की समस्या बहुत अधिक हो जाती हैं। योगे ा जी ने एक बात यह कहीं कि मंत्री महोदय ने खादर का एरिया नहीं देखा। मैं इन्हे बताना चाहता हूं कि हमारे मंत्री महोदय तो ऐन खादर के बीच में रहते है

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, सवाल यह है कि क्या वहां पर बाढ़ के पानी को रोकने के लिए कोई प्रोग्राम बनाया गया है या नहीं ?

Mr. Speaker: This does not relate to main question Next question please.

Agra Canal

***1377 Shri udai Bhan, Shri Bhagwan Sahai Rawat:** Will the Minister for Irrigation and power be pleased to state the steps so far taken or proposed to be taken to take over the control of agra canal?

गृह मंत्री(प्रो0 सम्पत सिंह): आगरा नहर प्रणाली हरियाणा तथा उत्तर प्रदे ा क्षेत्र की सिंचाई करती है। हरियाणा सरकार प्रयत्नद कर रही है कि उत्तर प्रदे ा सरकार आगरा नहर प्रणाली की 11 नहरो का प्र ाासनिक नियन्त्रण जो हरियाणा की सिचाई करती है, स्थानान्तरण कर दे।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, पिछले पौने चार साल से हर सै ान में और हर मंच हम यह सवाल उठाते रहे है कि हमारी इस समस्या की तरफ ध्यान दिया जाये लेकिन सरकार की और से कोई कार्यवाही नहीं की गई लगती। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने उत्तर प्रदे ा की सरकार के साथ कोई पत्र व्यवहार किया है और क्या मंत्री महोदय ने अपने स्तर पर कोई खतो किताबत वहां के मंत्री के साथ की है ? अगर ऐसा कोई पत्र व्यवहार उनके साथ हुआ है तो उसका ब्यौरा क्या है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह मामला पिछले चार साल से ही नहीं बल्कि 1962 से चला आ रहा है। यह मामला ज्वायंट पंजाब के अन्दर भी उठाया गया था और उस समय भी पंजाब के इरीगे ान एंड़ पावर मिनिस्टर ने यू0पी0 के चीफ मिनिस्टर के साथ पत्र व्यवहार किया था। यह मामला स्टेट और इन्टर स्टेट लैवल पर कई बार उठ चुका है। सैन्टर के साथ दोनों स्टेटों की भी मीटिंग हो चुकी है। 1973 में यूनियन ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर ने यू0पी0 और हरियाणा के चीफ मिनिस्टर्ज के साथ भी मीटिग की थी। स्पीकर साहब, 8 डिस्ट्रिव्यूटरीज और चैनल ऐसे है जिनमे यू0पी0 का हिस्सा नहीं हैं। हरियाणा में 3 चैनल्ज ऐसे है जिनकी थोड़ी बहुत टेल हरियाणा में पड़ती है। हमारी यह कोि ा ा है कि इस डिस्ट्रिब्यूटरीज और चैनल्ज को हरियाणा को सौप दिया जाए। उनके साथ हमारी मीटिगें चलती रही है। इस के

लिए 6.5.1989 को हरियाणा के चीफ मिनिस्टर ने यू0पी0 के चीफ मिनिस्टर के साथ लखनऊ में मीटिग की और सैकेटरी लैवर तक भी इसको फालो–अप किया गया और 6.5.1989 को फिर मीटिग हुई। हरियाणा गवर्नमैट ने इनका कन्ट्रोल लेने के लिए यू0पी0 सरकार से विचार विम र्ा किया । यू0पी0 गवर्नमैट ने कहा कि 11 चैनल्ज पर जो खर्च हुआ है तथा जो पानी का आबियाना है वह और साथ में जो खर्च हुआ है उसको हरियाणा कम्पनसेट कर दे तो वह कन्ट्रोल सौपने के बारे मे कन्सीडर कर सकते है। यह नहीं कहा कि कन्ट्रोल सौप देगे केवल कन्सीडर करने को कहा हैं। उस समय की बनी हुई नहरो का जो पानी इस्तेमाल हो चुका है उसका आबियाना और कम्पनसे ान तो कई करोड़ो रूपये बनता है जो कि देना सम्भव नहीं है। 17.12.1990 को हरियाणा के मुख्य मंत्री ने यू0पीत्र के मुख्य मंत्री को फिर पत्र लिखा है कि मीटिग करके इस समस्या का कोई हल निकाला जाए क्योकि इससक हरियाणा को बड़ा नुकसान हो रहा है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, आगरा नहर के कारण फरीदाबाद जिला और गुडगांव जिला के लोगों को बड़ी परे ाानी है और उसका आबियाना उत्तर प्रदे ा के किसानों से ज्यादा है। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि आगरा नहर से हरियाणा के किसानो का आबियाना क्या है, क्यां उसमें कोई ऐनोमली है या कोई अन्तर है अगर है तो क्या उसको दूर करने के लिए कोई प्रयास किये जा रहे है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः अन्तर ओर समस्या तो स्पीकर साहब है, औरा इसको दूर करने के लिए हरियाणा सरकार 1962 से लगातार संघर्श कर रही है ताकि किसी तरह से यह कन्ट्रोल हमें मिल जाए। स्पीकर सर, सबसे बड़ी परे ाानी तो यह है कि आबियाने की अदायगी के लिए या किसी और दफतर के काम के लिए हरियाणास के किसानों को आगरा जाना पड़ता है क्योकि सारे दफ्तर के काम के लिए हरियाणा के किसानों को आगरा जाना पड़ता है क्योकिं सारे दफ्तर यू0पी0 में है। दूसरी तरफ समस्या यह है कि आबियानेकी दरो में भी भारी अन्तर हैं। अगर हरियाणा के दरों पर आबियाना लगाया जाये तो 20 लाख रूपये हर साल बनता है और यू0पी0 के हिसाब से 56 लाख रूपये पड़ रहा है। खरीफ का डबल और रबी का 3.5 टाई म ज्यादा आबियाना यू0पी0 सरकार ले रही है।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर सर, अभी मंत्री जी ने किसानों की कठिनाईयों को जिक करते हुए बताया है कि किस प्रकार आगरा कैनाल के लिए 1962 से हरियाणा द्वारा संघर्श किया जा रहा है लेकिन समस्या ज्यो–की–त्यों हुई है और कोई प्रगति नहीं हुई है यानि पतनाला नहीं का वहीं है। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या इस समस्या का समाधान निकाला जाएगा और जब तक यह समस्या हल नहीं होती तब तक किसानों को यू0पी0 में दफ्तर के कार्य से न जाना पड़े क्या इसके लिए

किसी अधिकारी को नियुक्त किया जाएगा जो कि पूरी जांच पड़ताल कर किसानो की समस्या को सुलझाए ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, झगड़ा तो इसी बात का है कि इन का ऐडमिनिस्ट्रेटिव कन्ट्रोल हमारे पास नहीं हैं। जहां तक किसी अधिकारी को डिप्यूट करने का सम्बन्ध है, हमारा अधिकारी तो कोई नियुक्त नहीं किया हुआ हैं। इस समस्या का हल तो तभी हो सकता है जब कि इनका ऐडमिनिस्ट्रेटिव कन्ट्रोल हमारे हाथ में आए। अगर वहां की कोई भी कम्पलेन्ट होती है तो हरियाणा सरका गुड आफिसिज के साथ राबता कायम करके समस्या को हल करवाने का प्रयत्न करती है।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, आगरा कैनाल की 11 चैनल्ज हैं जिन से सिंचाई होती है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि आगरा कैनाल से कुल कितनेम रकबे की सिचाई हो रही है। और कुल कितना रकबा है जिसकी सिंचाई होनी चाहिए ? जिस रकबे की सिचाई नहीं हो रही क्या सरकार उसकी सिचाई के लिए कोई योजना बना रही है ?

प्रो0 सम्पत सिहंः स्पीकर सर, इसमैं कोई दो राय नहीं कि सिंचाई के लिए कोई योजना होनी चाहिए। उदय भान जी ने यह जो बात कही है कि कितने रकबे की सिचाई होती है, इस बारे में मैं यह बताना चाहता हूं कि जब तक हरियाणा को

एम0वाई0एल0 का पानी नहीं मिल जाता तब तक टोटल सिंचाई होना मु कल है। आगरा कैनाल से कुल 80 हजार एकड़ में पानी लगता हैं। अगर एस0वाई0एल0 नहर का पानी हमें मिल जाता हैं तो इससे हमारी आबपा ी बढ़ जाएगी और जो टोटल एरिया इसके नीचे आना चाहिये वहा 1,47,416 एकड़ है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जवाब देते हुए अभी एक बात कही है कि सन 1973 में एक बैठक हुई थीं उस बैठक में मैं हरियाणा के प्रतिनिधि के रूप में भाामिल हुआ था। मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि उस बैठक में जो निर्णय लिये गये थे, क्या वह लागू हो गये है या नहीं हुए हैं ? अगर नहीं हुए है तो क्यों नहीं हुए हैं ?

प्रो0 सम्पत सिहंः यही तो मैं कह रहा हूं कि लागू हुए है। यू0पी0 सरकार मानती नही हैं। इसी लिए उनसे बार–बार मीटिंग कर रहे है और उनको मनाने की को ि ा ा कर रहे है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः वह निर्णय उनकी सहमति से हुए थे।

Mr. Speaker: Gupta ji, you please take your seat. Hon'ble chief Minister is on his lege.

मुख्यमंत्री (श्री हुकम सिहं): स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जी ने अभी ठीक जवाब दिया है। गुप्ता जी ने कहा कि जब 1973 में मीटिग हुई थी तो यह हरियाणा के प्रतिनिधि के रूप में भाामिल

हुए थे। गुप्ता जी तो हरियाणा जब से बना है तब से ही लेकर कभी मंत्री, कभी मुख्य मंत्री रहे हैं। ये कभी कांग्रेस से, कभी जनता दल से तो कभी लोक दल से बनते आये हैं। लेकिन में इनसे पूछना चाहता हूं कि आपने यह मसला क्यो हल नहीं कर दिया था ? अध्यक्ष महोदय, जो खतो किताबत हुई है, वह बड़ी तफसील के साथ बता दी गयी है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः मैं यह पूछ रहा था कि उस निर्णय को लागू क्यों नहीं कर पाये ?

श्री हुकम सिंहः आप भी चीफ मिनिस्टर रहे हो। आपको सारी बात पता है। जो बात थी तफसील के साथ वह सारी बता दी गयी है। लेकिन आपने यह समस्या हल क्यों नहीं कर दी थी ?

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी सवाल का जवाब दिया है कि यू0पी0 की सरकार मान नहीं रही है। मै यह कहना चाहता हूं कि आज हरियाणा में भी, यू0पी0 में भी और केन्द्र में भी एक ही पार्टी की सरकार है। तीनों जगहो पर ही एक पार्टी की सरकार होते हुए क्या इस समस्या का जल्दी से जल्दी कोई हल निकाला जायेगा ? दूसरा सवाल यह है कि जो यमुना के अन्दर हमारा बकाया पानी का हिस्सा है, उसको लेने के लिये यू0पी0 के साथ कोई बात की जाएगी ओर क्या उस पानी को लेने के लिए कोई न्याय–युद्ध चलाने की बात करेगें? (विघ्न) स्पीकर साहब, एस0वाई0एल0 की बात तो बहुत की जाती है कि

उसका पानी आयेगा तो हरियाणा में यह हो जायेगा, वह हो जायेगा। लेंकिन क्या यमुना का पानी लेने के लिए भी कुछ करेगें ?

श्री अध्यक्षः यह तो आगरा कैनाल की बात है।

कामरेड हरपाल सिहंः स्पीकर साहब, यमुना का पानी आगरा कैनाल मैं आता हैं। क्या यह उस पानी को लेने के लिये कोई कोि ा ा करेगें। (व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जब एस0वाई0एल0 कैनाल के बनवाने के लिये संघर्श चल रहा था उस समय टोहाना में इस कामरेड ने पर्चे बंटवाये थे कि इसके लिये क्यों लड़ रहे हो, क्यो मर रहे हो। इसके बदल में यमुना का पानी लिया जा सकता है। यमुना का तो हमें पूरा पानी मिल रहा है। (व्यवधान व भाोर)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह बताया है कि अगर हरियाणा के रेट्स के हिसाब से आवियाना लिया जाये तो 20 लाख रूपया बनता है और अगर यू0पी0 के रेट्स के हिसाब से लिया जाये तो 56 लाख रुपये बनता है, हरियाणा के किसानों को यह जो अधिक 36 लाख रूपया देना पड़ता है या जो यह पैसा उगाहया जा रहा है, क्या मंत्री जी य बतायेगें कि सरकारी तौर पर इसको सबसीडाईज करने की कोई

योजना बनायी हुई है, अगर नहीं तो क्या आगे के लिये इस पर विचार करेगें?

प्रो0 सम्पत सिहं: स्पीकर साहब, हमारे यहां ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

Earth work on Roads

***1396. Rao Ram Narain:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state:-

(a) whether earth work has been done on the following roads:-

(a) Rattanthal to Hansawas;

(b) shaam Nagar to Bhurthaia;

(c) sham Nagar to Tumna;

(d) Raising of the road in village gamri (Nehurgarh); and

(b)if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be completed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) जी हां, भााम नगर से तुमना रोड़ के 200 मीटर के टुकड़े को छोड़ कर।

(ख) गांव गामड़ी की सड़क को ऊचा करने का कार्य जून, 1991 तक पूरा हो जायेगा।

बाकी तीन सड़को को पूरा करने का कार्य धन की उपलब्धि पर निर्भर करता है।

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया है कि अर्थ वर्क पूरा हो चुका है लेकिन इसको पक्का नही किया गया है। अध्यक्ष महोदय, आने वाली बरसात में सारा अर्थ वर्क वा ा आउट हो जाएगा और फिर अर्थ वर्क दुबारा करना पड़ेगा और खर्च ज्यादा होगा। मंत्री जी ने कहा है कि सड़क को पूरा करने का कार्य धन की अवेलेबिलिटी पर निर्भर करता है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इन सड़को को जल्दी पूरा किया जाएगा जिससे कि खर्च किया हुआ पैसा बरसात की वजह से बेकार न चला जाए ?

श्री जगत नाथः स्पीकर साहब, इस वित्तीय वर्श में सड़को के लिए हमारे पास 6.40 करोड़ रूपए का प्रावधान था। इस 6.40 करोड़ रुपए में से चालीस लाख का कट लग गया। बाकी छः करोड़ रुपया बचा और इन छः करोड़ में नब्बे हल्को में सड़के बनानी हैं। कहीं पर अर्थ वर्क हो चुका है। कहीं पर सोलिग हो चुकी है और कही पर मैटलिंग वर्क हो चुका है। सारा काम धीरे धीरे हो रहा है। वित्तीय विभाग जैसे जैसे पैसा देता जाएगा वैसे–वैसे हम काम करते जाएगें।

श्री हीरा नन्द आर्यः मंत्री जी ने बताया है कि धन की कमी है, इस कारण सड़के पूरी नहीं हो रही है। क्या मंत्री महोदय

बताने की कृपा करेगें कि क्या ऐसा नहीं हो सकता कि जो सड़के अधूरी पड़ी है सरकार उनको पहले पूरा करे और बाद में नई संडको का काम हाथ मे ले ?

मुख्य मंत्री (श्री हुक्म सिंह): स्पीकर साहब, मैं सदन को बताना चाहता हूं कि जो सड़के अधूरी है, हम पहले उनको लेगें और बाद में दूसरी सड़के अधूरी है, हम पहले उनको लेगे और बाद में दूसरी सड़को को लेगें।

कैप्टल अजय सिहं यादवः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि रतनथल से हंसावास तक सड़क पर अर्थ वर्क पूरा हो चुका है लेकिन मैने वहां खुद जाकर देखा है कि वहां पर रोड़ी पड़ चुकी है। क्या मंत्री महोदय इस सड़क को जल्दी पूरा करवाने की कृपा करेगें।

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, रतनथल से हंसावास तक की 3.20 किलोमीटर की जो सड़क है, उस पर मिट्टी का काम पूरा हो चुका है और सोलिंग का काम भी पूरा हो चुका है तथा एक किलोमीटर तक मैटलिग भी हो चुकी है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि पैसे की कमी के कारण सड़को का काम पूरा नहीं हो रहा हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि हरियाणा में जो दड़बाकलां का उप चुनाव हुआ था, वहां पर हरियाणा की कितनी सड़को का मैटिरियल ले जाया गया था ?

श्री जगन नाथः इसके लिए अलग से नोटिस चाहिए।

श्री मुनी लालः मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि जिस गांव में पचास प्रति ात बी0सी0 और एस0सी0 रहते है, क्या उस गांव की सड़क को बनाने मे ंप्रैफेस दिया जाएगा ?

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, हम जाति या धर्म के नाम पर कोई सड़क नही बनवाते।

Breach in yamuna Dam

***1382. Shri Mahender partap singh:** Will the minister for lrrigation & power be pleased to state:-

(a) whether the Government is aware of the fact that the breach occurred in the Yamuna Dam of villages lalpur and sherpur kerawala of faridabad block due to floods during the year 1988-89 and 1989-90; and

(b) if so, the details of the damages caused there from and the relief, if any , given therefor?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिहं):

(क) जी हां।

(ख) वर्श 1988 की बाढ़ के दौरान, लालपुर गांव के नजदीक यमुना नदी के साथ इमबैकमैट में लगभग 750 मीटर लम्बी कट हुई थी। गांव दादसीया, भोरपुर व लालपुर में तीन एकड़ भूमि में कटाव हुआ और 80 मकानों को क्षति हुई।

वर्श 1989 की बाढ़ के दौरान भोरपुर, किरावली (किदावली) गांव के नजदीक इमबैकमैट में लगभग 600 मीटर लम्बा कटाव हुआ और स्टोन स्टंड भी वह गए। गांव भोरपुर किदावली की 200 एकड़ भूमि मे कटाव हुआ।

मकानो ंको हुई क्षति की मुरम्मत के लिए और बाढ़ सहायता के रूप में 32000 रुपये दिये गये।

श्री महेन्द्र प्रताप सिहः स्पीकर साहब, पहले तो मै आपके माध्यम से थोड़ा सा सवाल के बारे में आप से रोश प्रकट करूं कि जो मैने सवाल दिया उस सवाल की भाक्ल ही बदल दी। मैनें सवाल में टूटना भाब्द लिखा था लेकिन उसको टूटने के बजाय कट दरार भाब्द लिख दिया। स्पीकर साहब, दो साल से लगातार दोनों जगह बांध टूट रहे है लेकिन इन्होने उसकी जगह दरार भाब्द लिख दिया है। मंत्री महोदय ने जवाब दिया है कि 750 मीटर लम्बी कट हुई थी। दूसरी जगह पर लिखा है कि भोरपुर किदावली को 200 एकड़ भूमि में कटाव हुआ।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, यह 2.00 एकड़ है 200 एकड़ नहीं हैं। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, हिन्दी पो र्ान में छपने में गल्ली रह गई है, अग्रेंजी में ठीक है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, मेरे पास जो जवाब है उसमे 200 एकड़ ही है। फिर भी मैं मान लेता हूं कि यह 2.00 एकड़ है। छपने में गल्ती हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, मैं

मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि दोनो गांवों की तकरीबन सात–सात हजार एकड़ भूति की फसल बिल्कुल तबाह हो गई लेकिन सरकार ने फसल की तबाही का कोई ब्यौरा नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, दोनो जगहों पर बाधं टूट गए है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगें कि जिस तरह से ओलावृश्टि होने पर किसान को मुआवजा दिया जाता है उसी तरह से इन किसानो को उनको मुआवजा दिया जाएगा ? दूसरा मेरा सवाल यह है कि क्या उन दोनों जगहों पर बांध की मरम्मत की गई है या वे वैसे ही पड़ी है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इसके लिए बाकायदा पैसे का प्रोवीजन किया गया था लेकिन जहां बांध कटे और दोबारा बांध बने, उसके लिये जमीन चाहिये जोकि हमें किसान दे नहीं रहे है। इस के लिये हमने बार–बारे प्रयास भी किये है। अगर चौधरी महेन्द्रप्रताप सिंह जी अपने गु ड आफिस, अपने रसूख से हमें जमीन दिलवा दे तो हम इसी साल उस बांध को भी पूरा करवा देंगे।

श्री महेन्द्र प्रताप सिहः अध्यक्ष महोदय, मैने पिछली बार भी यह कहा था और जिला स्तर पर सब लोगों ने इस बारे में यह कहा था कि हमें जमीन देने में कोई एतराज नहीं है। लोगें ने कहां कि सरकार जहां भी चाहे, हम जमीन दे देगे लेकिन हमारा नुकसान नहीं होना चाहिए। सरकार चाहे हमारी जमीनों का मुआवजा हमें बाद में दे लेकिन बांध अव य बनना चाहिये।

इसलिये मैं मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हू कि मैं उनके साथ चलता हू। वे मेरे साथ चलके बातचीत करे। लोगें को इसमें कोई दिक्कत नही है। इसके साथ–साथ मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि जहां पर सात–सात हजार एकड़ भूमि में फसल का लोगों को नुक्सान हुआ हैं उसके लिये अभी तक लोगों को मुआवजा क्यो नहीं दिया गया है हांलाकि वहां पर स्पै ाल गिरदावरी भी हो चुकी है इसलिये लोगों की क्षतिपूर्ति के लिये उनको इस खराबे के लिये मुआवजा दिया जाना चाहिए। स्पीकर साहब, क्या यह लोगों पर प्राकृतिक प्रकोप नहीं है ?

प्रो0 सम्पत सिहंः स्पीकर साहब, जहां ओलावृश्टि से नुक्सान होता है, उसमें हम मुआवजा देते है और जहां फसल नश्ट हुई है, उसके लिये सरकार के पास मुआवजा देने का कोई प्रोवीजन नहीं है। जहां तक महेन्द्र प्रताप सिहं जी के साथ जाने का संबंध है, ये अपने लेवल पर कोई तारीख नि चत कर ले, मुझे इनके साथ चलने में कोई ऐतराज नहीं है। ये अपनी कंबीनियैन्स को देख ले। मै इनके साथ जाऊंगा और लोगों की बातें सुनने के बाद उनकी दिक्कतों को हम दूर करेगें और बांध बनवाएंगें।

श्री महेन्द्रप्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, ओलों के कारण छः मास की फसल नश्ट हो जाती है तो उसे प्राकृतिक प्रकोप ही कहते है और बाढ़ के कारएा जिनकी फसल नश्ट हो जाती है वह भी प्राकृतिक प्रकोप ही है इसके लिये सरकार को प्रावधान रखना

चाहिए? दोनों की किस्म अलग अलग है लेकिन बरवादियों दोनों में ही है। ओलों के कारण तो कहीं 25 परसैन्ट कहीं 50 परसैन्अ का नुक्सान होता है लेकिन बाढ़ के कारण तो सारी की सारी फसले ही नश्ट हो जाती है। इसलिये स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह रिकवैस्ट करूंगा कि सरकार मेरे इस सुझाव पर अव य विचार करे औरह जिन लोगों की फसलों की तबाही हुई है, उनकी अव य मदद की जाए।

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, इस तरह का जो नुक्सान होता है वव धन से पूरा नहीं किया जा सकता। सरकार की कोि ा ा हमे ाा यह होती है कि आइन्दा इस प्रकार का नुक्सान न हो और इसके लिये हमने इनसे प्रोमिज भी किया है।

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, नुकसान तो यमुना के किनारे हर जगह हुआ है। मिनिस्टर साहब ने अपने जवाब में कहा कि वहां पर बांध बनाने के लिये लोग जमीन नहीं देते । मै यह जानना चाहता हूं कि सरकार ने कभी फलड कन्ट्रोल के लिए बांध बनाने के लिये या ड्रेनज बनाने के लिये कोई पैसा दिया है या फिर सरकार पैसा न होने की बजह से बहाने ही बना रही है ?

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, बाकयदा पैसे का प्रोवीजन है। अगर वे जगह दिलवा देगें तो हम उसको इस साल कम्पलीट करवा देगें।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम ये मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या यह बात सत्य है कि जब–जब भी यमुना नदी में बाढ़ आती है तो हरियाणा प्रदे ा मे लगे स्टड और बांध टूट जाते है। इसका मुख्य कारण यह है कि यू0पी0 सरकार द्वारा जो स्टड़ बनाए गए है वे बहुत मजबूत ओर लम्बे है। वे नार्म से हट कर बनाए गए है। इस बजह से हरियाणा के स्टड टूट जाते हैं और हमारा नुकसान होता हैं। इस वजह से हरियाणा के स्टड टूट जाते है और हमारा नुकसान होता है। क्या हरियाणा सरकार ने यू0पी0 सरकार को उसके स्टड नार्म के अनुसार बनाने की कमी बात चलाई है ताकि हरियाणा की तरफ कटाव न बढ़े ?

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, कटारिया साहब ने बहुत अच्छा सवाल किया है। जो कारण इन्होने बताया है, उस बजह से हमारा ज्यादा नुकसान हो रहा हैं। यू0पी0 वालो ने नार्म से हट कर अपने स्टड बनाए हुए है। उनके स्टड दो सौ फीट तक लंबे है जबकि नार्म के अनुसार इनकी लंबाई 45–50 फीट होनी चाहिए। उस बजह से पानी का रूख हमारी तरफ हो जाता है। इस बारे मे हम बार–बार यू0पी0 सरकार से कह चुके है और यमुना कमेटी के सामने भी यह सवाल उठा चुके है कि इस तरह न किया जाए।

डा0 रघुवीर सिहः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जनवरी, फरवरी, 1990 में जब सिरसा ब्रांच के अन्दर गांव गोची में ब्रीच हुआ था।

श्री अध्यक्षः यह बताना पौसिबल नहीं है। आप मेर सवाल के बारे पूछ सकते है।

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकर साहब, मेरा सवाल उस गांव से संबधित है जहां झोटे के सर पर लोक दल का झंडा बांध कर जलसे में भेज दिया गया था....

Mr. Speaker: Doctor sahib, I am sorry, this supplementary does not relate to this question.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस समय हमारे किसानो के सिवाए कुछ नजर नहीं आ रहा है। मेरी अभी तसल्ली नहीं हुई है। इसलिये मैं खास तौर से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा क्योंकि मंत्री जी तो कह देते है कि ऐसा प्रावधान नहीं है। मंत्री जी ने वहां आने के लिये कहा है, मै इनका भानिवार को वहां पर इन्तजार करूंगा। लेकिन क्या मुख्य मंत्री जी बताएगें कि यह दोहरा माप दंड़ क्यों अपनाया गया है ? इससे किसानों का बहुत नुकसान हुआ है। क्या इसको देखते हुए उनको कुछ मुआवजा देगे?

प्रो0 सम्पत सिहंः भानिवार को नहीं, सै ान के बाद आऊंगा।

मुख्यमंत्री (श्री हुकम सिंह): स्पीकर साहब, यह तो मिनिस्टर साहब वि वास दिला चुके है कि जगह दिलवा दे हम उसे इसी सल कम्पलीट करवा देगें। अब सवाल यह है कि बाढ़ से जो नुकसान हुआ है, उसका मुआवजा क्यों नहीं दिया गया। स्पीकर साहब, 1966 में हरियाणा बना था और तब से भाई महेंन्द्र प्रताप सिंह की काफी समय तक रही। उसके बाद चौधरी देवी

लाल की सरकार आई। उन्होने ओला वृश्टि से हुए नुक्सान का मुआवजा देना भुरू किया। जब इनकी सरकार थी, उस समय भी बाढ़ के मुआवजे की बात हो सकती थी लेकिन आज ही इनको सारी बातें कैसे याद आ गई ? (विघ्न)

श्री महेन्द्र प्रताप सिहं: फिर उस एरिया की स्पै ाल गिरदावरी क्या लोगों की आंखों में धूल डालने के लिये की गई थी ?(ाोर)

Mr. Speaker: Please take your seat. Next Question please.

तारांकित प्र न संख्या 1398

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योकि माननीय सदस्य, श्री देवी दास, इस समय सदन में उपस्थित नहीं थें।

तारांकित प्र न संख्या 1424

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योकि माननीय सदस्य, श्री भगवान सहाय रावत, इस समय सदन में उपस्थित नहीं थें।

Rangoi Drain

***1406. shri Atma Singh Gill:** will the minister for Irrigation and power be pleased to state:-

(a) whether it is a fact that sanction has been accorded for the construction of rangoi Drain of jakhal : and

(b) if so, the time by which the construction is likely to be started thereon?

गृहमंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) जी हां।

(ख) कार्य पहले ही आरम्भ किया जा चुका है।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, ड्रेनेज डिपार्टमैट के बारे में अखबारों के अन्दर यह खर्चा आती रही है कि ड्रेनेज डिपार्टमैंट में करोड़ों रूपए का घोटाला हुआ है ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, स्टेट गवर्नमैट अपाका काम पैसे से चलाती है। यदि प्रदे ा में ज्यादा बाढ़ आ जाए और उससे बहुत ज्यादा नुक्सान हो जाता है तो स्टेट गवर्नमैट सहायता के लिए केन्द्रीय सरकार को लिखती हैं। वर्श 1988 में जो फ्लड आया था, उससे हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बड़ी तबाही हुई थी। हमारी नहरें भी काफी टूट गई थी नाले भी टूट गए थे, पुल भी पानी में वह गए थे और सड़के भी काफी टूट गई थी। उस समय हमें केन्द्रीय सरकार की और से 12 करोडऋ 22 लाख रुपए की सहायता मिली थी। माननीय सदस्य श्री उदय भान जी ने यह पूछा है कि क्या ड्रेनेज डिपार्टमैट में कोई घोटाला हुआ है? इससे कोई दो राय नहीं है कि उसमें घोटाला हुआ है। हरियाणा सरकार को केन्द्रीय सरकार की ओर से 29 मार्च, 1989 को सहायता के रूप में 239 लाख रुपए मिले थे। उसी कैनाल सर्कल में पहले भी थोड़ा

सा जो पैसा था उसको मिलना कर टोटल 3 करोड़ 97 लाख रुपए बनता था। यह सारा पैसा लगभग तीन दिन के अन्दर ही खर्च हुआ है। उस समय पता नहीं कितनी ऐफीि ाएंसी थी कि 29 मार्च से 31 मार्च तक 3 करोड़ 97 लाख रुपया खर्च हो गया। उसके लिये बाकायदा विजिलैस इंकवायरी चल रही है। केस रजिस्टर हुआ है और कई मुलाजिमो को सस्पैड भी किया गया है।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, इतनी भारी रकम केवल तीन दिन में ही खर्च कर दी गई औरा इस बारे में मंत्री जी ने यह कहा है कि उसकी विजिलैस इन्कवायरी चल रही हैं। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उस इन्कवायरी को कम्पलीट होने में कितना समय लगेगा और क्या उस घोटाले में कोई उस समय का मंत्री भी भाामिल था ?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इसमे स्टेट गवर्नमैट और पब्लिक का कन्सर्न है क्योकि इसमें चार करोड़ रूपए के लगभग पैसा इनवाल्ब है। पहले तो इस बारे में प्रिलिमिनरी इन्कवायरी हुई। फिर उसके बाद यह केस इन्कवायरी के लिए विजिलैस को दिया गया है उन्होने इस बारे केस रजिस्टर किया। इस मामले में कई आफिसर्ज को सस्पैड भी किया गया और कुछ को चार्ज ाीट किया गया। इस समय केस चूंकि चालान की स्टेज पर है, इसलिए इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहां जा सकता।

स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने यह भी पूरा है कि क्या इस घोटाले में उस समय का कोई मंत्री भी भाामिल है? मैं अपके माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इतना बड़ा घोटाला बड़े–बड़े आदमियों के बगैर नहीं हुआ करता। (ाोर)

Mr. Speaker: Question Hour is over please.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र न का लिखित उत्तर

Plying of Buses in the state

***1414. Shri Durga Dutt Attri:** Will the Minister of state for transport be pleased to state:-

(a) the number of buses of Haryana Roadways plying in the state as at present; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to ply more buses to mitigate the transportation problem , if any, being faced by the people in the state ?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री वेद सिंह मंलिक)

(क) 3531, 31 जनवरी, 1991 को।

(ख) जी हां।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Revenue block at loharw

244. Shri Hira Nand Arya: Will the Minister for Revenue be pleased to state whether there is any proposal under cosideration of the Government to Construct a Revenue block in sub Divisional complex at loharu ?

राजस्व मंत्री (श्री सचदेव त्यागी): जी हां, लोहारु में उप–मण्डल संव्यूह बनाया जाएगा, जिसमे राजस्व कार्यालय भी भाामिल होगे।

Fire Arms issued out of Discrationary Quota

233. Comrada Harpal Singh: will the Minister for irrigation and power be pleased to state the names and addresses of persons to whom the fire arms have been issued out of the discretionary quota of the chief Minister during the period from 1st July, 1987 to 1st January] 1991, in the state?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): वांछित सूचना अनुलग्नक 'क' पर दी जाती है।

अनुलग्नक 'क'

क्रमाक मुख्य मंत्री के स्वैच्छिक कोटा से आंबटन की तिथि को अलाटियों के नाम तथ पते,

1. श्री एच0 एस0 चट्ठा, स्पीकर, हरियाणा विधान सभा।

2. श्री महा सिहं, एम0 एल0 ए0, चैयरमैन, हैफड, हरियाणा, चण्डीगढ़।

3. श्री लक्षमण दास, एम0 एल0 ए0 करनाल।

4. श्री नर सिंह ढांडा, एम0 एल0 ए0 चैयरमैन, हरियाण एग्रीकल्चर मांकिटिग बोर्ड, हरियाणा।

5. श्री ब्रिज मोहन गृप्ता, एम0 एल0 ए0, जगाधरी।

6. श्री कृ ण सिहं सांगवान एम0 एल0 ए0, गोहाना, जिला सोनीपत।

7. श्री के0 वी0 सिंह, वि ोश कार्य अधिकारी, मुख्य मंत्री हरियाणा।

8. श्री रण सिह मान, चैयरमैन, हरियाणा ब्यूरो आफ पब्लिक एन्टरप्राईजिज।

9. श्री दुर्गा दत्त अतरी, एम0 एल0 ए0, राजौद, जिला जीन्द।

10. श्रीमती सुशमा स्वराज, खाद्यान्न एवं आपूर्ति मंत्री, हरियाणा।

11. श्री अनिल कुमार पुत्र मास्टर ि ाव प्रसाद, एम0 एल0 ए0 अम्बाला भाहर।

12 श्री बी0 एस0 रावत, एम0 एल0 ए0 हथीन।

13. डा0 कमला वर्मा, स्वास्थ्य मंत्री, हरियाणा।

14. श्री सतबीर सिहं कादयान, एम0 एल0 ए0, नौलथा, जिला करनाल।

15. श्री उदयभान एम0 एल0 ए0, हसनपुर, जिला फरीदाबाद।

16. श्री बनारसी दास, एम0 एल0 ए0, कलायत, जिला जींद

17. श्री ओमवीर पुत्र गनपर राम, गांव चौटाला, तह0 डबवाली, जिला सिरसा।

18 श्री आनन्द सिहं डांगी, चैयरमैन, एस0 एस0 एस0, बोर्ड, हरियाणा, चण्डीगढ़।

19. श्री कान्ति प्रका ा भल्ला, एम0 एल0 ए0, कालका (अम्बाला)।

20 श्री मोहिन्द्र सिह, मकान नं0 31, सैक्टर 8—ए, चण्ड़ीगढ़।

21. मेजर जनरल6 के0 एस0 कोहली, जनरल आफिसर, कामांडिग हैडक्वार्टरज पंजाब हरियाणा तथा हिमाचल (एरिया ि ामला) 171003।

22. श्री धर्मपाल डांगी पुत्र श्री अमी लाल, गांव तथा डाकखाना मदीना, जिला रोहतक।

23 श्री योगे ा चन्द भार्मा, एम0 एल0 ए0 बल्लभगढ़ (फरीदाबाद)।

24. श्री अनिन कुमार पुत्र श्री भागमल, एम0 एल0 ए0, सढौरा, चैयरमैन, हरियाणा हैंडलूम कारपोरे ान लि0।

25 श्री हरि सिहं, आरगेनाईजिंग सैकरेटरी, हरियाणा स्टेट लोकदल, जिला हिसार।

26 श्री जय प्रका ा, लोकदल प्रधान नज़दीक सदर पुलिस स्टे ान, जीन्द।

27 श्री जान वी जार्ज, आई0 पी0 एस0, सी0 आई0 डी0 स्पे ाल ब्रांच, सी0 आई0 डी0 हरियाणा।

28 श्री उदय सिहं दलाल, भूतपूर्व एम0 एल0 ए0, गांव व डाकखाना मंढौथी, जिला रोहतक।

29. श्री ओ0 पी0 भारद्वाज, पब्लिक वर्कस मिनिस्टर (बी0 एण्ड आर0), हरियाणा, चण्डीगढ़

30 श्री कृ ण स्वरूप, एस0 डी0 एम0 डबवाली, जिला हिसार।

31 श्री धर्मवीर, परिवहन मंत्री, हरियाणा, चण्डीगढ़।

32 श्री गया लाल भूतपूर्व एम0 एल0 ए0, होडल, तहसील पलबल जिला फरीदाबाद।

Industrial units in the State

234. Comrade Harpal singh: Will the chief Minister be pleased to state the total number of indurstrial units registered at present in the State togetherwith the number of labourers working therein?

मुख्य मंत्री (श्री हुक्म सिह):

1.	हरियाणा में 31.12.90 तक पंजीकृत बड़ी तथा मध्यम उद्योगिक इकाईयों की संख्या	446
	इनमें काम कर रहे मजदूरों की संख्या	1.34 लाख व्यक्ति
2.	31.12.90 तक पंजीकृत लघु उद्योगिक इकाईयों की संख्या	96279
	इनमें काम कर रहे मजदूरों की संख्या	5.77 लाख व्यक्ति

Regularisation of Un-authorised colonies at Rewari city

238. Cap. ajay singh yadav: Will the Minister of state for local Government be pleased to state:-

(a) Whether it is a fact that there are unauthorised colonies in the Rewari City; and

(b) if so, Whether there is any proposal under consideration of the Government to approve the colonies as referred to in part (a) above, togetherwith the time be which these are likely to be approved?

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री कान्ति प्रका ा भल्ला):

(क) हां। रेवाड़ी भाहर में 9 अनाधिकृत कालोनियां है।

(ख) अभी तक इन कालोनियों को नियमिल करने हेतु नागरपालिका रेवाड़ी से सरकार को कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

Amount spent out of cattle welfare fund

249. Shri Ran Singh Mann: Will the Minister of state for Animal Husbandry be pleased to state the yearwis and constituency-wise amount spent out of the cattle welfare fund during the period from march 1987 to-date.

प ाु पाल राज्य मंत्री (श्री कुलदीप सिहं मलिक): प ाुपालन विभाग के पास प ाु कल्याण फण्ड का कोई प्रावधान नहीं है।

Outstanding Amount toward H.S.E.B.

250. Shri Ram Singh Mann: Will the minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) whether it is fact that any amount of rent and penalty of coal India Ltd.

(b) if so, the year-wise details of the said outstanding amount?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड तथा रेलवे को कोई पैनल्टी या किराया देय नहीं है।

(ख) उपरोक्त (क) के संदर्भ में प्र न उत्पन्न ही नहीं होता।

Water Table of Bhiwani and mohindergarh District

251. Shri Ran Singh Mann: Will the Minister for Irrigation and Power be Pleased to state:-

(a) Whether the Government is aware of the fact that the water table of district Bhiwani and Mohindergarh has gone down; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to raise the water table of the aforesaid districts ?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिहं):

(क) हां, श्रीमान् जी।

(ख) इस क्षेत्र में नहरों से सिचाई द्वारा विस्तृत रीचार्ज उपाए किये जा रहे हैं।

Land Compensation

252. Sh. Ram Singh Mann: Will the Minister for irrigation and Power be pleased t state whether the compensation of land acquired for setting up 132 K.V. Power House at Jhajhu-Kalan in district Bhiwani has been paid; if so, the total amount of compensation paid so far?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): नही श्रीमान् जी।

Police Personnel in the State

261. Shri Jai Narain Khundia: Will the Minister for iggiation and Power be pleased t state-

(a) the number of S.Ps, D.S.Ps, inspectors, S.H.Os, I.A.Ss, Head Constables and Constables in Police Department in the State at present togetherwith the number of persons belonging to Scheduled Castes and Backward Classes, separately; and

(b) whether there is still short-fall in the quota of the persons belonging to Schedules Castes and Backward Classes; if so, the details thereof?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): मांगी हुई सूचना निम्नलिखित है:—

(ए) पद	कुल संख्या	अनुसूचित जातियो के सदस्यो की संख्या	पिछडे वर्ग के सदस्यो की संख्या
पुलिस अधीक्षक	54 (भा0 पु0 से) 16 (भा0 पु0 से0)	10 4	1 –
उप–पुलिस अधीक्षक	108	12	4
निरीक्षक	263	21	24
उप–निरीक्षक	824	62	73
स0 उप–निरीक्षक	1751	185	176
प्रधाप सिपाही	4705	581	397
सिपाही	20082	35	1895
पुलिस अधीक्षक	(भा0 पु0 से) (भा0 पु0 से)	2	4 1

उप–पुलिस अधीक्षक		9	6
निरीक्षक		31	2
उप–निरीक्षक		102	9
स0 उप–निरीक्षक		165	–
प्रधाप सिपाही		360	73
सिपाही		421	113

वैसे अभी यह निर्णय लिया गया है कि सिपाही के स्तर पर अनुसूचित जातियो तथा पिछडे वर्ग के सदस्यो को अधिक संख्या मे ले कर धीरे–धीरे कमी को पूरा किया जाये।

Construction of Roads

262. Shri Jai Narain Khundia: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following roads:-

(i) From Sudana to Kahanaur,

(ii) From Sudana to Masudpur,

(iii) From Kalanaur to Kilanga via Saimpal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) (i)जी हां।

(ii) तथा (iii) जी नही।

(ख) (i) सुदाना से काहनौर तक की सडक का निर्माण 31—3—1992 तक पूरा होने की संभावना है।

(ii) तथा (iii) प्र न उत्पन्न नही होता।

Construction of Roads in District Rohtak

263. Shri ji Narain Khundia: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) the constituency-wise number of roads sanctioned for construction in District Rohtak during the period from 1987 to 1990; and

(b) the number of roads constructed out of that referred to in part (a) above?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) तथा (ख) जिला रोहतक के चुनाव क्षेत्रवार में स्वीकृत तथा बनाई गई सडको का ब्यौरा निम्न प्रकार है:—

क्रम संख्या	चुनाव क्षेत्र का नाम	स्वीकृत सडको की संख्या	पूरी की गई सडको की संख्या
1	हसनगढ	28	11
2	किलोई	6	—
3	रोहतक	—	—
4	महम	56	6
5	कलानौर	2	—
6	बेरी	2	—
7	साहलावास	2	—
8	झज्जर	4	1
9	बादली	7	2
10	बहादुरगढ	4	—
11	बडौदा	11	2
12	गोहाना	3	1

Bas Minor

264. Shri ji Narain Khundia: Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state-

(a) whether It is a fact that the Bass Minor is lying incomplete for the last 3 years;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to restart the construction work on Bass Minor; and

(c) if so, the time by which the aforesaid minor is likely to be completed?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह):

(क) जी हां।

(ख) जी हां।

(ग) वर्श 1991–92 मे यदि धन उपलब्ध हुआ तो।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

श्री वीरेन्द्र सिंह द्वारा

Shri Verender Singh: On a point of personal explanation, Sir,

Mr. Speaker: Alright.

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): आप पर्सनल ऐक्सप्लेने ान किस बात की दे रहे है मैने तो कुछ नही कहा। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि मंत्री जी अपने आपको बहुत होि ायार मान रहे है। मै नही समझता था कि वह इस किस्म की बात कहेंगे। स्पीकर साहब, मंत्री जी ने तारांकित प्र न संख्या 1406 पर सप्लीमैंटरी का उत्तर देते हुए कहा कि बडे बडे आदमियो के बगैर यह काम नही हुआ करते। स्पीकर साहब, मुझे बदनाम करने की बहुत कोि ा ो की गई है। मै बहुत दिनो से इस इंतजार में था कि मै अपनी बात कहूं, लेकिन आज मुझे अपनी बात कहने का मौका मिला है। स्पीकर साहब, मार्च, 1989 मे जो पैसा आया वक कन्सर्न्ड मंत्री ने डिपार्टमैंट को नही दिया और न ही कन्सर्न्ड मंत्री दिया करता है। वह पैसा फाइनैंस मिनिस्टर से सीधा डिपार्टमैंट को जाया करता है और डिपार्टमैंट स्वयं उस पैसे को डिस्ट्रीब्यूट करता है मंत्री का उससे कोई ताल्लुक नही होता। जहां तक सम्पत सिंह जी की इस बात का ताल्लुक है कि बडे बडे आदमियो के बगैर यह काम नही हो सकता था, स्पीकर साहब, ज्यों ही यह मामला अखबारो में छपा मैने 29 अप्रैल, 1989 को सबसे पहले इस बारे में इन्कवायरी मार्क की थी और मैने कहा था कि इन्कवायरी की रिपोर्ट तीन दिन के अन्दर अन्दर मुझे मिल जानी चाहिए। मेरे पास उस इन्कवायरी की रिपोर्ट आई। हालांकि वह रिपोर्ट सी0 एम0 साहब को दिखानी जरुरी नही थी लेकिन फिर भी मैने सी0 एम0 साहब को वह रिपोर्ट दिखाई। फिर उस मामले की इन्कवायरी के लिए विजिलैंस के आर्डर हुए। मैने फिर इस बारे में 5 जून को इन्कवायरी मार्क की क्योंकि तब तक विजिलैंस की इन्कवायरी भ्रु

नही हो पाई थी। मेरे पास इन्कवायरी की जो रिपोर्ट आई उस पर मैने ऐक ान लिया और जो भी मैने ऐक ान लिया उसकी फाईल चौधरी देवी लाल जी को दिखाई। उस पर उनके दस्तखत है। उसके प चात् 9–8–89 को एफ0 आई0 आर0 दर्ज हुई। उस समय विजिलैंस के आई0 जी0 मि0 बाबा थे। उनको चार दिन के अन्दर अन्दर बदल दिया गया। क्यों बदल दिया गया वह भी मै बताउंगा। उस समय ऐक्सीयन लैवल तक के अफसरो के विरुद्ध एफ0 आई0 आर0 दर्ज हुई थी। उसके बाद फिर इन्कवायरी मार्क की गई। (विघ्न) उसके बाद एण्टी क ान बोर्ड के सैक्रेटरी कंवर रणदीप सिंह से इन्कवायरी करवाई गई। उन्होने अपनी इन्कवायरी में मेरे खिलाफ कुछ नही पाया। बाद में उन्होने तंग आकर एक लैटर लिखा जो अखबारो में भी पब्लि ा हुआ। उस लैटर की कापी इस समय मेरे पास मौजूद है। उन्होने लैटर में लिखा कि फिजूल में वीरेन्द्र सिंह को बदनाम करने की खबरे छापी जा रही है और उन्होने यह लिखा कि वीरेन्द्र सिंह एक ईमानदार आदमी है। यही तक नही उन्होने प्राईम मिनिस्टर को भी लैटर लिखा कि वीरेन्द्र सिंह को जान बूझ कर बदनाम किया जा रहा है। यह सारा लैटर कंवर रणदीप सिंह का अखबारो में छपा है। (विघ्न्) बाद में चौटाला साहब मुख्य मंत्री बन गए।

Mr. Speaker: Please wind up.

Shri Verender Singh: Sir, my character and integrity is involved and you have permitted me to speak on a personal explanation. मै ज्यादा समय न लेते हुए दो–चार मिनट

में अपनी बात समाप्त कर देता हूं। स्पीकर साहब, उसके बाद विजिलैंस के आई0 जी0 श्री सेठी जी लगे और चौटाला चीफ मिनिस्टर थे। चौटाला ने श्री सेठी को मेरे को फंसाने के लिए मजबूर किया कि किसी तरह मुझे किसी केस में फंसा दिया जाये और इस केस में मेरा नाम जोडा जाए, but he refused. उसके बाद फिर दो महीने के बाद उनको भी बदल दिया गया। बाद में मिस्टर विकास को डी0 आई0 जी0 लगाया गया। चोटाला ने और सम्पत सिह ने मुझे उनके जरिए फंसाना चाहा। उन्होने भी ऐसा करने से इंकार कर दिया और उन्हे भी बदल दिया गया। फिर उस समय मैने चैलेंज किया और अखबारो में स्टेटमैंट दी कि मेरे खिलाफ कोई केस हो तो उसकी इन्कवायरी करवाई जाए। इस केस को अब दो साल होने को चले है। अब यह केस चालान की स्टेज पर आ गया है। मै फिर कहता हूं कि मेरे खिलाफ कोई ऐविडैंस हो तो उस पर ऐक ान लिया जाए और मेरे खिलाफ केस रजिस्टर किया जाए। अगर सम्पत सिंह जी में हिम्मत हो तो हाउस में ब्यान देने की बजाये हाउस से बाहर ब्यान दें। फिर मै इनको बताउंगा कि गलत ब्यी करने से क्या हुआ करता है। ये मेर ऊपर फिजूल में ऐलीगे ान लगाते है। मै फिर कहता हूं कि ये बाहर ब्यान दे फिर इनको पता चलेगा। (ाोर)

श्री प्रदीप कुमार चौधरीः अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाये।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, श्री सम्पत सिंह ने इतने ओछेपन वाले ऐलीगे ान लगाने भाुरु कर दिए है जिनके बारे में मै सोच नही सकता था लेकिन इसके बावजूद भी मै इन पर ओछे ऐलीगे ान लगाना नही चाहता और इनकी तरह ओछेपन पर जाना नही चाहता। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै फिर कहता हूं कि अगर आज भी कोई ऐविडैंस वीरेन्द्र सिंह के खिलाफ है तो अभी हाउस को छोड कर चला जाउंगा। इस बारे में मुख्य मंत्री महोदय से पूछ लिया जाए। यदि मेरे ऊपर कोई आरोम साबित हो जाए तो मै अभी यहां से चला जाता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खडे हुए)

श्री अध्यक्षः वीरेन्द्र सिंह जी, आप तो अपनी बात कह चुके है। अब आप बैठिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अब चूंकि जीरो आवर भाुरु हुआ है इसलिए मै दूसरी बात कहना चाहता हूं।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इससे पहले इन्होने जो बात कही है उनका जवाब देने के लिए मुझे समय दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपने स्थान पर बैठिए और बारी बारी से अपनी बात कहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, ये जो चाहे करवा दे, बी0 डी0 गुपता पर गोलियां चलवा दें, इनकी कार को फुंकवा दे, ये लोगो की जान ले लें और हम लोग अपनी बात भी यहां पर ऐक्सप्लेन न कर सके, ऐसी बात नही होनी चाहिए।

प्रो0 सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, ये तो अपनी बात पहले ही कह चुके है। इन्हे सुनने की भी हिम्मत रखनी चाहिए। (विघ्न एवं भाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: आप तो लोगो की जान लीजिए। आप इस हरियाणा राज्य को कत्लगाह बना दीजिए, आप हरियाणा के * * * * * * है। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्ष: कसाई भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खडे हुए)

Every-body except Shri B.D. Gupta should please take his seat.

श्री बनारसी दास गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, यह बात यही खत्म हो जानी चाहिए। हम इनके चैलेंज को ऐक्सैप्ट करते है। हमस ब की इन्कवायरी करवाई जाए और इन सब की भी इन्कवायरी होनी चाहिए। (विघ्न एवं भाोर)

Mr. Speaker: No interruptions please.

विभिन्न विशयो का उठाया जाना

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, अब मै एक बहुत ही गम्भीर मसले की तरफ सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। दिल्ली के अन्दर जो घटना श्री राजीव गांधी की कोठी पर सर्वेलैन्स करवाने की हुई है यह कोई साधारण बात नही है। यह बहुत ही गम्भीर मसला है जिस ने सारे दे ा को और केन्द्रीय सरकार को झंकझोर कर रख दिया है। यह मामला सीधे ही हरियाणा से कन्सर्न रखता है। दो हवलदान और एक सब–इंस्पेक्टर को सस्पैंड किया गया है। क्या कोई आदमी इस बात पर बिलिव कर सकता है कि कोई हवलदार या सब–इंस्पेक्टर बिना किसी बडे नेता के आदे ा के या बिना किसी बडे अफसर के हुक्म के किसी जगह जा कर सर्वेलैंन्स कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, यह बडा अहम मामला है, इस का परिणाम क्या निकलेगा। यह मामला सीधे हरियाणा से संबंधित है। इसलिए इस बात की मै मांग करता हूं कि इस सदन के अन्दर इस मामले का माकूल जवाब आज ही दिया जाना चाहिए। यह कहना कि कालिंग अटैं ान मो ान एडमिट कर ली है इसलिए इस पर आज बहस नही हो सकती, उचित नही है। गृह मंत्री जी इस का माकूल जवाब आज ही दस सदन में दे या इस्तीफा दें दे। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः इस्तीफा तो हम नही देंगे। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, कल आपने 3 कालिंग अटैं ान मो ान सर्वेलैंस के मामले संबंधी ऐडमिट की थी और विपक्ष की ओर से यह मांग आई थी कि चूंकि यह बहुत ही अर्जेन्ट

मामला है इसलिए इसका जवाब सरकार द्वारा आज ही दिया जाना चाहिए लेकिन आपने यह कहा है कि आने इसको परसो के लिए फिक्स किया है। हमने बार बार यह कहा और वि ोश तौर पर मैने यह कहा कि कोई फिल्डसे इनफर्मे ान नही आनी है बल्कि यह मामूली बात है और इसका जवाब होम मिनिस्टर या मुख्य मंत्री अभी दे सकते है, परन्तु नही दिया गया। परिणामस्वरुप ये मो ान्ज कल के लिए रहने दिए जाए। इसके अलावा जो बात बडी औब्जैक ानेबल है वह यह है कि विधान सभा का सै ान हो रहा है लेकिन बिना उसे बताए इस मामले का स्टेट गवर्नमैंट ने सैंट्रल गवर्नमैंट को जवाब दे दिया। आज के अखबार मे यह छपा है कि इन्होने अपनी रिपोर्ट भेज दी है। विधान सभा सै ान में हो और हमारे यहा पर वह मामला जेरेगौर हो लेकिन उसका जवाब सैन्टर को दे दिया जाए यह ठीक बात नही लगती। हमें पहले जवाब न देकर गवर्नमैंट आफ इंडिया को जवाब देना, यह बिल्कुल पार्लियामैंट्री रिवायत के खिलाफ है। पहले इनको हमको कन्फर्म करना चाहिए था। विधान सभा के इस औगस्ट हाउस को पहले इन्फार्म करना चाहिए था। यही नही दो हैड कांस्टेबल और एक इंस्पैक्टर को सस्पैंड भी किया गया है। एक और बडी जबरदस्त खबर छपी है जो बडी ही खतरनाक किस्म की खबर है। वह यह है कि चौधरी हुकम सिंह को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। बनसे बलि मांगी है। यह बात यह है कि उनको बरखास्त करने की कोि ा ा की जा रही है। उप प्रधान मंत्री जी की तरफ से यह ब्यान भी छपा है कि इसमें भजन लाल जी का हाथ है। भजन

लाल ने यह काम करवाया है। स्पीकर साहब, आप यह जानते होगो और हमे भाक इस बात का पूरा है कि अगर चौधरी हुकम सिंह को बलि का बकरा बनाया जा रहा है तो इसके पीछे औम प्रका ा चौटाला का हाथ हो सकता है क्योंकि वह इनका हटाकर खुद मुख्य मंत्री बनना चाहता है। यह ाडयंत्र उसी का रचा हुआ है। चौधरी हुकम सिंह की सरकार हो और चौधरी देवी लाल जी कोई काम के बारे में यह कहें कि चली भजन लाल जी की है, यह गलत बात है भजन लाल की नही चलती है। यहां पर तो हुकम सिंह का राज है और हुकम सिंह के राज में औम प्रका ा चौटाला की चलती है। यहां पर सारे गलत काम औम प्रका ा चौटाला के कहने पर किए जाते है। यह बडा ही सीरियस मैटर है। हमें यह भाक है िकइस मामले में हो सकता है मुख्य मंत्री जी जैसे भारीफ आदमी को भाायद यह पता ही न हो और इसमें सम्पत सिंह तथा चौटाला भाामिल हों। इसलिए हम यह मांग करते है कि होम मिनिस्टर की चीफ मिनिस्टर बकायदा इंक्वायरी करवाएं और इसको डिस्मिस किया जाए, क्योंकि इसने सारे हरियाणा प्रान्त में तबाही मचा रखी है। (व्यवधान एवं भाोर)

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): स्पीकर साहब, ये काल अटैन ान मो ान कल के लिए आपने ऐडमिट किए है। हम पूरी जांच करवा कर इनका तफसील के साथ कल जवाब देंगे।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, यह सदन इस मामले में सारे हरियाणा की भावनाओ को रिप्रेजैंट करता है और

आप इस सदन को बहुत अच्छी तरह चला रहे है। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, कृप्या आप मुझे भी बोलने के लिए इजाजत दें।

श्री अध्यक्षः महेन्द्र प्रताप जी हालांकि यह मामला आपकी पार्टी का है लेकिन सबसे पहले इस मामले में काल अटैं ान मो ान हीरा नन्द आर्य जी की तरफ से आया था। उस वक्त आप क्या सोये हुए थे? अब आपको याद आ गया।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। मै आपको बाद में सुनूंगा।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, मै एक व्यवस्था की बात पूछना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः अभी आप बैठिए।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है और आपने यह अच्छा किया कि कल हमारी बात को स्वीकार कर लिया और उस पर 7–3–91 को चर्चा की अनुमति दे दी लेकिन स्पीकर साहब, यह सदन आज ही उस पर चर्चा करना चाहता है। क्योंकि कल के बाद एक नई स्थिती डिवैल्प हो गई है। यह तीन गरीब कांस्टेबल्ज का मामला है जिन को भेंट चढाया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में पिछले

दिनो से कुछ ऐसी वारदातें हो रही है कि कभी इस सरकार के भूतपूर्व मुख्य मंत्री पर हमला हो रहा है और कभी विपक्ष के नेता के घर को जलाया जा रहा है। स्पीकर साहब, कल कामरेड हरपाल सिंह ने बताया था कि हरियाणा का गृह मंत्री सम्पत सिंह पंजाब के आतंकवादियो से तालमेल करके ए0 के0 47 राईफल ले रहा है। इस बात के बारे में कोई जवाब नही दिया गया। स्पीकर साहब, बात यहां तक पहुंच गई कि हरियाणा का एक भारीफ आदमी मुख्य मंत्री बन गया है उसको हटाने की साजि ा चलाई जा रही है। कभी सम्पत सिंह का नाम आ रहा है और कभी जय प्रका ा का नाम आ रहा है कि ये लोग मुख्य मंत्री बनेंगे। ये लोग किसी को भी मुख्य मंत्री बनाएं। यह इनकी पार्टी का सवाल है। इनकी महत्वकांक्षा मुख्य मंत्री बनने की है तो इनकी इस महत्वकांक्षा को कौन रोक सकता है? जब चौधरी देवी लाल मुख्य मंत्री थे तो उन्होने कहा था के पुलिस की भर्ती में सम्पत सिंह ने भ्रश्टाचार किया। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, एक आदमी के कारण हरियाणा की प्रतिश्ठा आंव पल लगी हुई है। हरियाणा की बदनामी हो रही है। मुख्य मंत्री बेचारे को पता ही नही है। उनके पीछे तो सी0 आई0 डी0 लगी हुई है। हरियाणा की बदनामी हो रही है। जब सरकार ने रिपोर्ट सैन्टर को भेजदी तो इस सदन में क्यों चर्चा नही हुई? अध्यक्ष महोदय, उन कांस्टेबल्ज का तो कोई कसूर नही है। मुख्य मंत्री को गृह मंत्री को फौरन डिसमिस करना चाहिए। जब हरियाणा की इज्जत दांव पर लगी हो तो इनको डिसमिस करने में देर नही करनी चाहिए।

श्री महेन्द्र प्रताप सिहः अध्यक्ष महोदय, मै किसी की भाान में कोई ऐसी बात नही कहने जा रहा हूं जिससे किसी को नाराजगी हो और मै तो अपाकी भाान में तो कोई भाब्द कहने की हिम्मत भी नही कर सकता। अध्यक्ष महोदय, जीरो आवर भाुरु होते ही मै खडा हुआ था। पता नही क्या कारण था कि आपने मुझे बोलने नही दिया ओर मुझे छोडकर, मै यह नही कहता कि मेरे साथियो को टाईम न दिया जाए, दूसरे को बुला लिया। लेकिन पहले खडा तो मै हुआ था, मेरा बोलने का हक पहले था।

श्री अध्यक्षः चार पांच आदमी जब खडे होकर बोलने लग जाए तो क्या किया जाए? That is not the wary. ऐसे हालात में किसको बोलने की इजाजत दी जाए, this is my discretion.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, कल के मामले के ऊपर, जिसके बारे में मेरे साथी ने एक मो ान आपकी सेवा मे दी, हरियाणा मे ही नही बल्कि सारे दे ा में रोश ै। यह ऐसा मामला है जिससे ि कइस सदन का ही नही बल्कि हरियाणा की जनता का गौरव और मान दावं पर लगा हुआ है। स्पीकर साहब, इससे जघन्य अपराध और कोई नही हो सकता। स्वयं प्रधान मंत्री ने जो इनकी पार्टी के ही है, ने कहा है कि यह भार्मनाक बात ै अैर यह बहुत ही गलत अपराध है। प्रधान मंत्री ने तो इस बारे में फैसला दे दिया। आपने इस मो ान पर डिस्क ान के लिए तीसरे दिन का टाईम दिया है। किन कारणो से दिया यह आप भी जानते है और मै भी जानता हूं लेकिन आपका फैसला है इसएि हमस ब

को मानना ही पडेगा। स्पीकर साहब, मुझे खेद है कि जिना लम्बा टाईम सरकार लेगी उतना ही सरकार मैनुपुले ान, मै तो मैनुपुले ा नही कहूंगा, करने में कामयाब होगी। एक दिन की छुटटी या किसी चीज को देखने का बहाना करके जितना लम्बा समय सरकार लेगी और उसके बाद सरकार जो वक्तव्य देगी वह झुठ पर आधारित होगा। स्पीकर साहब, आज सवेरे जब अखबार देखा तो वह खद ाा जिसके बारे में कल मैने सदन को आ वस्त किया था, सच निकला। अध्यक्ष महोदय, यह बडा ही सीरियस मामला था। कल हमने आपकी बात मान ली थी हालांकि प्रोटैस्ट के तौर पर हमने वाक आउट भी किया था। अध्यक्ष महोदय, यह बडी भयानक परम्परा है। यह दे ा के लिए प्रदे ा के लिए बडी भयानक परम्परा है और बडा भयानक रुप धारण कर सकती है। स्पीकर साहब, इसके अन्दर से आगे अभी और बाते निकलेगी। आज इंडियन ऐक्सप्रैस में छपा है कि "Haryana denies sending C.I.D. staff."

इससे वह खद ाा जो मैने कल जाहिर किया था ठीक निकला। स्पीकर साहब, यह मालूम हुआ है कि सी0 आई0 डी0 का एक सिपाही नारनौल और दूसरा रोहतक का रहने वाला था। इन्होने कहा है कि वे दोनो ही छुट्टी पर थे और वे अपने किसी प्राइवेट काम से वहां गये होंगे। इन्होने साथ ही यह भी कह दिया कि हमने किसी को नही भेजा। अध्यक्ष महोदय, यह कितना बडा गलत ब्यान हो सकता है क्योंकि आप भी अच्छी तरह से जानते है कि वहां पर कोई राजीव गांधी जी के लडके की सगाई तो नही

थी या फिर श्री चन्द्र भोखर जी का कोई फंक ान नही था। उन दोनो को कोई प्रोमो ान का काम नही था कि राजीव जी की सिफारि ा से या फिर चन्द्र ोखर जी के कहने पर मुख्यमंत्री जी उनकी प्रोमो ान कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार का यह कितना झुठा ब्यान है। मुझे तो यह भी मालूम हुआ कि उन्हे वहां से निकालने की कोि ा ा की जाती रही। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरी आप से गुजारि ा है कि आप इस सारे मामले को रिव्यू करें। अगर इस मामले में कोई ढील करेंगे तो यह कोई अच्छी परम्परा नही होगी। इससे हरियाणा सरकार की बदनामी हुई है और इन्होने हाउस की परम्परा की भी अवमानना की है। जब हाउस को आपने आ वसत कर दिया तो इन्होने आपकी मान और मर्यादा को भी समाप्त कर दिया। अध्यक्ष महोदय, आपकी मान मर्यादा खत्म हो गयी तो हमारी और इस प्रदे ा की भी मान मर्यादा समाप्त हो गई। इतना होने पर फिर इनसे जवाब लेने की क्या जरुरत रह जाती है। इसलिए दोबारा मेरी आपसे रिकवैस्ट है कि आप इस मामले को रिव्यू करे नही तो हमें भी मजबूरन कुछ सोचना पडेगा जबकि आज पार्लियामैंट बन्द है और सारी पार्टिया मिलकर इस बात का विरोध कर रही है। अध्यक्ष महोदय, यह राजीव जी का सवाल नही है, दे ा का सवाल है। अध्यक्ष महोदय, यह हाउस में कार्यवाही तब आगे चलाई जाएगी या तो आप मुख्य मंत्री व गृह मंत्री महोदय से पहले त्याग पत्र ले क्योकि ये सारा काम उनकी व उच्च अधिकारियो की जानकारी के बिना कदापि नही हो सकता। (ाोर एवं व्यवधान) यह सरकार की सरासर

नाअहलियत है। यहां सरकार नाम की कोई चीज नही है क्योंकि यह कहती है कि हमें बिल्कुल इस सारे कांड का कुछ भी नही पता। सरकार कहती है कि यह तो हमारे आदे ा ही नही है, इस बिनाह पर भी सरकार को यहां बैठे रहने का कोई संवैधानिक अधिकार नही है। कोई औचित्य नही है। ऐसी सरकार को तुरंत त्यागपत्र दे देना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अब आप बैठिए।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, आज अखबारो में यह छपा है कि दिल्ली में हरियाणा सरकार का एक सी0 आई0 डी0 का दफ्तर काम कर रहा है। इस तरह का इंटैलीजैंस का काम सैन्ट्रल गवर्नमैंट की मंजूरी के बिना कोई सरकार और कोई स्टेट नही कर सकती। अध्यक्ष महोदय, यह कम कब से हो रहा है, किस के हुम से हो रहा है, इस पर कितने रुपये खर्च हो रहे है, वे दो आदमी गिरफ्तार हुए है या नही, इस बारे में सरकार कह रही है कि हें कोई ज्ञान नही है। अध्यक्ष महोदय, एक ऐसी कन्वैन ान रही है कि जब हाउस चल रहा हो तो हाउस के बाहर कोई इम्पोर्टैंट इंफर्मे ान नही जा सकती। मै सरकार की पोजी ान को भली भांति समझता हूं। (ाोर एवं व्यवधान) अगर केन्द्र सरकार कोई इंफर्मे ान मांगती है तो हरियाणा सरकार उस इन्फर्मे ान का देने से इंकार नही कर सकती लेकिन उसका वाया–मीडिया तो हो ही सकता है। केन्द्र सरकार को सूचना देने के बाद तुरनत यहां हाउस को बता देते ओर वह मामला यहा भी डिस्कस हो

जाता ताकि किसी को ऐतराज भी न होता। आज वहां पर ये इन्फर्मे ान भेज चुके है। कल इनहोने काल अटैं ान पर क्या कुछ कहना है, यह सब कुछ अखबारो में छप चुका है। यहां अब मनगढंत कहानी आएगी, जिसका कोई फायदा नही है। स्पीकर साहब, उन दो आदमियो में से एक हैडकांस्टेबल रोहतक का है ओर दूसरा नारनौल का रहने वाला है। वे दिल्ली क्यो गए थे और वे कहा पोस्टिड है, इस बारे में किसी को कुछ पता नही है। किस के हुकम के साथ यह सब कुछ हुआ है यह भी अभी मालूम नही। एक मामूली इंस्पैक्टर या सब–इंस्पैक्टर इस किस्म का हुक्म नही दे सकता। अध्यक्ष महोदय, हमारे गृह मंत्री तो बडे ही इंटेलीजैन्ट और कम्पीटैन्ट आदमी है। जरुर उनके हुक्म से ही यह हुआ होगा। अगर उनके हुक्म से नही हुआ, वे डिनाई करते है तो उन्हे इस्तीफा दे देना चाहिये। जैसा की अखबारो में छपा है कि चौधरी भजन लाल जी के कारण ऐसा हुआ है तब तो ये मोस्ट इन्कम्पीटैन्ट है, तब भी इन्हे इस्तीफा दे देना चाहिए। और अगर मोस्ट इंकम्पीटैन्ट हो तब भी अगर वे ऐा नही करते तो वे एक तीर से दो ि ाकार करना चाहते है। एक तीर चलाकर वे श्री चन्द्र ेखर जी को समाप्त करना चाहते है और दूसरे से श्री हुक्म सिंह जी को खत्म करना चाहते है ताकि अपना चहेता आदमी यहां पर बैठा दें। इस सिचुए ान को देखते हुए मेरा आपसे निवेदन है ि कइस बारे में जो काल अटैन्ान मो ान के नोटिस दिए गए है उनको खत्म कर दे और आज जो मैने रुल 84के तहत मो ान दिया है उस पर आज ही डिस्क ान भ्ाुरु करवा दे ताकि कोई

रास्ता निकल सके। पूरा मुल्क इसमें इनवाल्वड है और मै कहूंगा कि हरियाणा तो पहले ही बदनाम है इसकी और बदनामी नही होनी चाहिए। इस मामले की पूरी डिस्क ान होनी चाहिए और मै मांग करता हूं कि होम मिनिस्टर को इस्तीफा दे देना चाहिए।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, आज मुझे सब से ज्यादा खु ाी है। जो कुछ दिल्ली मे हुआ उसका सब से बडा भुगत भोगी मै भी रहा हूं। पिछले साल 15 मार्च को मैने काफी तफसील से बताया था कि यहां की सी0 आई0 डी0 का काम हमे ाा इसी तरह से चलता रहा है। पिछले साल मैने बताया था कि एक डेढ साल से सारे एम0 एल0 एज0 और मिनिस्टर्ज की सर्वेलैंस होती थी। इतनी भार्मनाक कहानियां घटती है जिनका आप अन्दाजा नही लगा सकते। पिछले साल जब मै चण्डीगढ वाली सरकारी कोठी मे ंरहता था तो सै ान के दिनो में जब मै घर से चलता था, सी0 आई0 डी0 की वैन मेरे पीछे पीछे रहती थी। रोजना यह तमा ाा होता था। जब मै यहां से चलता था तब भी पीछे रहती थी। अगर मै हवाई जहाज पर जाता था तो एयर पोर्ट पर मुझे सी0 आई0 डी0 की गाडी रिसीव करने वाली थी। इसी तरह से जहां कही ंभी मै दिल्ली में ठहरता था, सी0 आई0 डी0 की गाडी पीछे खडी रहती थी। जिस भी कोठी में मै ठहरता था वहां चार, पांच और दस लोग मेरे साथ ठहरते थे तो इनके आदमी उस कोठी में चक्कर लगाते रहते थे सुबह से भााम तक। मेहम के बाई इलैक ान के दौरान जहां भी मै ठहरता था वहां मै

वर्कर्ज़ की मीटिंग किया करता था। तो उस समय रोहतक और दिल्ली के सी0 आई0 डी0 आफिस से इनकी तीन–तीन गाडियां जाया करती थी जो मेरे पीछे लगी रहती थी।

श्री अध्यक्षः वे आपकी प्रोटैक ान के लिए होगीं।(हंसी)

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, आपके लिए ऐसी बात कहना भाोभा नही देती। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि यह एक भार्मनाक कहानी है। इस तरह से डेमोक्रसी का कत्ल करना एक दुर्भाग्यपूर्ण बात है। मुझे आज इसलिए खु ाी है कि इन्होने आज राजीव गांधी तक को पकड लिया है। यह किसी हरियाणा के एम0 एल0 ए0, मिनिस्टर यह और आदमी को नही बख्भाते हैं जो हमारे मेहमान होते है, या रि तेदार होते हे ये उनका नाम नोट करते है और उनके पीछे रहते है। उसके बाद उनको इन्टैरोगेट करते है और फिर उनको विकटेमाइज करने की कोि ा ा करते है। यह प्रजातंत्र का कतल है। स्पीकर साहब, मै आपसे अनुरोध करुंगा कि दिल्ली मे जो मामला घटा है इसको लाइटली ट्रीट न करके इस पर आज ही डिस्क ान होनी चाहिए।

11:00 बजे

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, यह तो बडी गम्भीरता का विशय है कि किस प्रकार से राजनीतिक लोगो का सी0 आई0 डी0 पीछा करती है। यह तो बडे आदमी का मामला था इसलिए उनकी कोठी पर हरियाणा की सी0 आई0 डी0 वाले दोनो

मुलाजिम पकडे गए वरना यदि हमारे जैसा कोई विधायक होता तो वह नही पकडे जाते। हम लोगो के पीछे हर दम सी0 आई0 डी0 लगी रहती है। जिस तरह से चौधरी सम्पत सिंह जी ने कहा कि ड्रेनेज डिपार्टमैंट ` जो घोटाला हुआ वह बडे बडे आदमियो के बगैर नही हो सकता था उसी प्रकार से यहां पर भी वही बात धटित होती है कि बडे बडे राजनीतिक लोगो की कोठियो पर सी0 आई0 डी0 करने का काम सी0 आई0 डी0 का कांस्टेबल, हैड–कास्टेबल और इन्सपैक्टर अपने आप नही कर सकता उसके लिए भी किसी बडे अधिकारी का आर्डर हो सकता है यानि श्री राजीव गांधी की कोठी पर सी0 आई0 डी0 करवाने में किसी बडे आदमी का हाथ हो सकता है। इसमें कोई दो राय नही है कि हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री बहुत भले आदमी है। इनके भोलेपर का मतलब यह नही कि इनको इस बारे में जानकारी नही है। अगर इनको इस बारे में जानकारी है तो यह उसके लिए जिम्मेदार है और यदि इनको जानकारी नही है तो यह अयोग्य है। स्पीकर साहब, इन दोनो बातो में से यह कौन से आदमी है इस बारे मे या तो ये स्वयं फैसला कर ले या आप इस बारे में फैसला करें। अध्यक्ष महोदय, मै आपसे गुजारि ा करना चाहूंगा कि प्रजातंत्र पर लगातार हमले होते आ रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अब आप बैठ जाइए। (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय बहुत से माननीय सदस्य बोलने के लिए खडे हो गए)

श्री अध्यक्षः चौधरी सतबीर सिंह कादियान।

चौधरी सतबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, हरियाणा विधान सभा में कुछ ऐसे विधायक है जब तक वे मंत्री के पद पर रहते है तब तक तो ठीक है और जब सरकार से बाहर हो जाते है, उसी सरकार का क्रिटीसिज्म करने लग जाते है। इन्डायरैक्ट रुप में हस्तक्षेप करते है। श्री राम बिलास भार्मा ने श्री लछमन सिंह कम्बोज के बारे मे कहा कि उसने जब कोई जुर्म किया है तो उसको तीन घंटे के अन्दर पकड लिया गया। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, अब ये सारे बौखला गए है। यदि किसी सदस्य को सुरक्षा की जाए तो कहते है कि हमारे पीछे सी0 आई0 डी0 लगा रखी है, पुलिस हमें तंग करती है। यदि कोई घटना घट जाए तो कहते है कि सरकार हमारी रक्षा नही करती। हमें समझ मेंं नही आता कि ये लोग कैसी बात करते है?

(इस समय बहुत से माननीय सदस्य बोलने के लिए खडे हो गए)

श्री अध्यक्षः आर्य जी आप सभी मेरी एक बात सुन ले। यह असैम्बली है। आपके लीडर बोल चुके, आपके डिप्टी लीडर बोल चुके और तीसरे आप खुद बोल चुके है अब चौथा, उसके बाद पांचवा इस तरह से क्या आप 13 के 13 बोलना चाहे हो? जब एक इ ू पर आपका लीडर बोल चुकक, आपका डिप्टी लीडर बोल चुका और आप स्वयं भी बोल चुके है तो कम से कम कुछ प्रथा

तो कायम रखो। अपने आप ही आप कुछ सोचो। (ाोर एवं व्यवधान) आप सब बैठे और कैप्टन अजय सिंह यादव को बोलने दें।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै दो बाते कहने के लिए आपके सामने खडा हुआ हूं। सब से पहली बात तो यह है कि कल इस सरकार ने सदन को गुमराह किया और यहां यह कहा ि कइस पर डिस्क ान कल होगी लेकिन इन लोगो ने उसकी रिपोर्ट सैंट्रल गवर्नमैंट के पास पहले ही भेज दी। यह सदन का बडा भारी अपमान है। इस सरकार ने इतना गैरजिम्मेदाराना काम करके लोकतंत्र की हत्या की है। किस तरीके से यह सरकार श्री राजीव गांधी जैसे नेता के खिलाफ इस प्रकार के ाडयंत्र रचती है य बात सामने आई है। स्पीकर साहब, इन्होने कल सदन को गुमराह किया था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, यह बात आपने भी कह दी है और आपके लीडर ने भी कह दी है। क्या अब आपने फिर वही टेप लगानी है। आपके लीडर ने जो बात की वह मैने सुन ली। जिस जिस पार्टी के लीडर और डिप्टी लीडर बोले है उनकी सारी बातें मैने सुन ली है। लीडर आफ दि अपोजि ान बोल चुके, बी0 जे0 पी0 के डिप्टी लीडर बोल चुके और चौधरी महेन्द्र प्रताप बोल चुके। अब आप वही बोल रहे है। इसलिए आप कृप्या बैठे आपका नाम अखबारो में आ जाएगा (ाोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, इस सरकार ने कल सदनको गुमराह किया था और मुख्य मंत्री महोदय को नैतिक तौर पर इस्तीफा दे देना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Everybody please listen. It does not look nice to make a noise like that. Please take your seat and let the business of the House proceed further.

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, इस सरकार ने कल सदन को गुमराह किया था। इस सरकार ने यह कहाथा कि इस पर डिस्क ान कल होगी। इस सरकार ने इस हाउस का बहुत अपमान किया है। जो डिस्क ान कल होनी थी उसकी रिपोर्ट इस सरकार ने पहले ही सैंट्रल गवर्नमैंट को भेज दी। यह काम करके इस सरकार ने लोकतंत्र की हत्या की है। आप हमें उस सदन के बारे में आज ही डिस्क ान करने की परमि ान दें। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Captain Sahib, this in not the way. Please take yourseat. (noise & interruptions)

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, यह सरकार श्री राजीव गांधी जैसे नेता के खिलाफ किस प्रकार ाडयंत्र रचती है, उस मामले के बारे में आज ही यहां डिस्क ान होनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. SpeakerL I am very sorry to say that I cannot take up that matter today. (Noise & Interruptions)

Shri Verender Singh: What is the hitch in discussiong the matter today?

Mr. Speaker: For that I have already fixed the 7th March 1991. Now please allow me to proceed further.

Shri Suraj Bhan: Sir, we want discussion on the motion under Rule 84 immediately and not tomorrow.

Mr. Speaker: That is under consideration. Please sit down. (Interruptions & Noise)

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यहां कहा जाता है कि हमारी पुलिस बहुत कम्पीटेन्ट है और मुलजिमो को बहुत जल्दी पकड लेती है। मै इनसे पूछना चाहता हूं कि मेहम कांड में भी कुछ लोगो के नाम भाामिल है क्या उन लोगो को पुलिस ने पकडा है? श्री डी0 डी0 अत्री जीके बारे में जो प्रिविलेज मो ान था वह परसो ही खत्म हुआ है और उस मो ान में जो डी0 एस0 पी0 इनवोल्वड थे और जो अब एस0 पी0 हो गए है वे श्री अत्री साहब के पास गए और कहा कि आपका इलाका पंजाब के साथ लगता है और हो सकता है कि आपके पास उग्रवादी आ जाएं इसलिए आप अपनी सुरक्षा का प्रबंध रखना। श्री अत्री जी ने कहा कि आपने तो मेरे गनमैन वापिस ले लिए है अगर आप मेरी जान का खतरा समझ रहे है तो मुझे सुरक्षा प्रदान करे। इस पर एस0 पी0 ने कहा कि मेरे पास कोई सुरक्षा गार्ड नही है इसलिए मै आपकी सुरक्षा नही कर सकता। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जब तक एम0 एल0 ए0 की सुरक्षा नही हो सकती तो एक

साधारण आदमी की सुरक्षा कैसे हो सकती है? इससे तो साफ जाहिर है कि अत्री साहब की जान को खतरा है। इतना ही नही वह एस0 पी0 अत्री साहब को धमकी देकर गया है। (ाोर एवं व्यवधान) उस एस0 पी0 ने इनके गनमैन भी वापिस ले लिए है। (ाोर एवं व्यवधान) इसलिए मै चाहूंगा कि अत्री साहब की बात सुन ली जाए।

Mr. Speaker: Comrade Sahib, please take your seat.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, आप मुझे भी बोलने का मौका दें।

Mr. Speaker I am sorry, I would not permit any body on this now. (Interruptons). Zero Hour is over.

श्री रतन लाल कटारिया जी का एक काल अटैं ान मो ान डीजन ओर पैट्रोल की भाार्टेज के बारे थी। उसका गवर्नमैंट की तरफ से आज जवाब दिया जाना है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, रुल 84 के मेरे मो ान पर अभी डिस्क ान होनी चाहिए। (ाोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker: Chaudhary Sahib, I have just received it. I have already told you thatit is under consideration. Please take your seat. The Hon'ble Chief Minister wants to say something.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, मेरी बात भी सुनी जाये। (ाार एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः मेरी परमि ान के बगैर जो बोला जाए वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री वीरेन्द्र सिंहः * * * * * * * *

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः ** ** ** ** **

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः * * * * * * *

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, मेरे साथ बहुत ज्यादती हो रही है। आप मुझे बोलने का मौका दीजिए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Attri Ji, when the leader of the House wants to say something, how can I permit you? (Interruptions).

मुख्य मंत्री(श्री हुक्म सिंह): स्पीकर साहब, सी0 आई0 डी0 के मामले को लेकर अभी कई साथियो ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मै इस्तीफा दे दूं या होम मिनिस्टर साहब इस्तीफा दे दें। मै इस मामले का आज कोई जवाब नही दे रहा हू। मै जवाब तो कल ही दूंगा। मै केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि सी0 आई0 डी0 का महकमा मेरे पास है इसलिए मै सदन को वि वास दिलाता हू कि मैने किसी सी0 आई0 डी0 के आदमी को श्री राजीव गांधी के घर की सी0 आई0 डी0 करने के लिए

नही भेजा। वह कैसे चला गया, यह मै नही कह सकता। फिर भी मैने इसकी जांच के आदे ा कल दे दिए है। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Everybody to please take his seat.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः मुख्य मंत्री जी, आप तो भले आदमी है। आपको मै कुछ नही कह रहा। (ाोर) मै पूछना चाहता हूं कि क्या वे आपने वहां पर चले गए? क्या वे पिकनिक पर गए थे या वे किसी की भाादी में गए थे? इसका आप जवाब दे कि वे वहां पर कैसे पहुंचें? (ाोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker: Mohinder Partap Ji, please take your seat.

श्री रण सिंह मानः स्पीकर साहब, यदि ऐसे इनकम्पीटैन्ट सी0 एम0 होगे तो फिर प्र ाासन कैसे चलेगा और पुलिस में अनु ाासन कैसे रहेगा? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हुकम सिंहः यह प्रजातंत्र है। आप लोगो ने हमे नही बनाया। लोगो की वोटो से बन कर आए है। योग्य है तो भी रहेगे और अयोग्य है तो भी रहेगे। यह कुर्सी किसी की जागीर नही है। हम मे से कोई रिजाईन नही देगा। न मै इस्तीफा दूंगा और न होम मिनिस्टर इस्तीफा देंगे। जहां तक भारत सरकार को सूचना भेजने की बात है वह तो जो सूचना उन्होने मांगी थी लेकिन अखबारो में जो खबर छपी है वह हमने नही दी। अगर अखबार

वाले अपनी तरफ से कोई खबर छाप देते है तो इसमै ंहम क्या कर सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, मै अपनी मो ान के बारे में रुल 84 पढता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब मैने रुल 84 भी पढा है।

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, फिर भी मै आपको रुल 84 पढ कर सुना देता हू। इसमें लिखा है–

"but the Assembly shall proceed to discuss such matters immediately after the mover has concluded his speech."

इसमें वर्ड इमिजियेटली लिखा है। इसके अलावा स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि महकमा मेरे पास है, लेकिन अखबार में छपा है कि हुक्म भजन लाल का चलता हैं इसलिए भी इस मामले में इमिजियेटली डिस्क ान होनी चाहिए।

Mr Speaker: Please take your seat. I am considering it. I received it at 10:15 a.m. From that time I am sitting in the House and you please tell me, how can I allow discussion on it right now. Would you please give me half an hour?

Shri Suraj Bhan: Sir it has to be decided immediately. वरना इमिडियेटली का मतलब क्या है?

श्री अध्यक्षः वह इन आर्डर है या नही, I have to examine.

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस बारे में अब झूठी कहानी गढी जाएगी। झुठी कहानी घड कर जवाब बनाया जा रहा है, इसलिए हम कह रहे है कि इस मामले पर फौरी तौर से जवाब दिया जाए और हम आज ही जवाब ले कर रहेंगे। जब गवर्नमैंट औफ इंडिया को जवाब बना कर भेजा गया है तो जवाब सदन को क्यो नही दिया जा सकता? जो जवाब गवर्नमैंट औफ इंडिया को भेजा गया है वह भी सदन के सामने रखा जाए और आज ही हमे जवाब दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: I have fixed tomorrow for taking up this matter. I would not permit it today. I would permit it tomorrow only.

बैठक का स्थगन

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यह मामला बहुत ही गम्भीर है और अर्जेंट नेचर का है इसलिए इस पर आज ही जवाब दिया जाना चाहिए और इस पर आज ही डिस्क ान होनी चाहिए। गृहमंत्री इसके लिए जिम्मेदार है इसलिए उन्हे कटघरे में खडे होना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान) जो आदमी हरियाणा की बदनामी के लिए जिम्मेदार है उसे इस सदन में जवाब देना पडेगा। जबरदस्ती नही चलेगी। हम जवाब आज ही ले कर रहेंगे। (ाोर एवं व्यवधान) यह 100 यह 200 आदमियो का झगडा नही है बल्कि सारा प्रदे ा ओर दे ा इससे संबंधित है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कृप्या आप संघ बैठे और हाउस की कार्यवाही को चलने दें। जो इस बारे में मेरी इजाजत के बगैर बोला जाएगा, वह रिकार्ड नही होगा।

(इस समय बहुत से सदस्य अध्यक्ष की परमि ान के बिना बोलते रहे तो रिकार्ड नही किया गया) (ाोर एवं व्यवधान)

11:12 बजे

श्री अध्यक्षः हाउस इस तरह से नही चल सकता। इसलिए हाउस 11:45 बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

(तत्प चात् सदन स्थगित हुआ और 11:45 बजे दुबारा बैठक हुई)

बैठक का पुनर्स्थगन

Mr. Speaker: Now the Food & Supplied Minister will make a statement on the calling attention motions No. 6 &9 (bracketed with No. 6) given notice by Sarvshri Rattan Lal Kataria and Hira Nand Arya, M.L.As, respectively, regarding shortage of diesel and petrol in the State, which has been admitted on the 4th March, 1991 and the statement was promised to be made today.

(इस समय विपक्ष के सभी सदस्य बोलने के लिए खडे हो गए)

Mr. Speaker: Please take your seat. Shri Verender Singh.

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पहले हमारे प्रस्ताव के बारे में बताये। चौधरी सूरज भान जी ने रुल 84 के तहत मो ान दिया है ओर प्रार्थना की है कि कल वाली काल अटैं ान मो ांज को मो ान अंडर रुल 84 में कन्वर्ट करके उस पर आज ही इम्मीलियेटली डिस्क ान की जाये।

Mr. Speaker: I am very sorry. I cannot take up the matter today. Please take your seat and let the House proceed.

Shri Verender Singh: Sir what is the hitch? it is a very urgent matter. We want discussion on this urgent motion today. (Noise & interruptions).

Mr. Speaker: I have fixed tomorrow for discussion with regard to this matter. (Noise & Interruptions).

Shri Verender Singh: Why not today? (Noise & Interruptions). इसमे वर्ड इम्मीजेटली लिखा हुआ है।

Mr. Speaker: I have already told you that the motion under Rul 84 is under consideration. I cannot take up the calling attention motions on the subject today. They have already been fixed for tomorrow. So please take your seat and let the business of the House proceed.

(At this stage several members started speaking without permission).

Mr. Speaker: if you have decided not to allow the House to proceed, then it is a different matter. I would again

request you to please take your seat and allow the business of the House to proceed.

Shri Suraj Bhan: We want only discussion on the motion under Rule 84 today.

Mr. Speaker: That is still under my consideration. Please sit down. Whatever is said without my permission will not be recorded.

(At this stage all members from Opposition Benches rose in their seats and started speaking without permission which was not recorded._

Mr. Speaker: Please listen.

Voices: No, no.

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, यहां पर हाउस के अन्दर डी0 आई0 जी0 (सी0 आई0 डी0) आये हुए है। यह किस की परमि ान से आये है। यहां पर हाउस को मिसलीड किया जा रहा है। हाउस को भी सी0 आई0 डी0 की जा रही है। (व्यवधान एवं भाोर)

(At this stage the members from the Opposition again started speaking without permission and stated that they would not allow the business to proceed unless discussion on the motion under Rule 84 was allowed immediately).

Mr. Speaker: I would once again request the Hon' Members to please resume their seats and let the business proceed.

Voices: from the Opposition Bencehs: No. no.

श्री अध्यक्षः मै हाउस कल प्रातः 9:30 बजे तक के लिए ऐडजर्न करता हूं।

11:47 बजे

(तत्प चात् सदन वीरवार, दिनांक 7—3—1991 प्रातः 9:30 बजे तक स्थगित हुआ।)